साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 24 | जौनपुर, मंगलवार, 10 सितम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

अब तक 50 ट्रक निकल चुका है मलबा

लखनऊ, संवाददाता। ट्रांसपोर्टनगर में शनिवार को ढही इमारत के मलबे में अब किसी के दबे होने की संभावना बेहद कम है। रेस्क्यू करने वाली टीमें लगाकर जुटी हैं। मलबा हटाया जा रहा है। अभी भी मलबा हटाने में एहतियात बरता जा रहा है। उधर, आरोपी बिल्डिंग मालिक पर पुलिस ने अब तक कार्रवाई नहीं की है, जबकि एफआईआर गंभीर धाराओं में दर्ज है। बीते शनिवार को शहीद पथ के किनारे स्थित तीन मंजिला इमारत ढह गई थी। हादसे में कारोबारी जसमीत साहनी समेत आठ लोगों की मौत हो गई थी। 28 लोग घायल हो गए थे। मामले में पुलिस ने खुद वादी बनकर बिल्डिंग मालिक राकेश सिंघल पर गैर इरादतन हत्या समेत अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया था। जो धाराएं लगी हैं, उसमें सात साल से अधिक की सजा का प्रावधान है। ऐसे में आरोपी की गिरफ्तारी न होना सवाल खड़े करता है। हालांकि, एसीपी कृष्णानगर विनय कुमार द्विवेदी का कहना है कि विवेचना की जा रही है। आरोपी के खिलाफ साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुख्ता साक्ष्य होने के बाद गिरफ्तारी की जाएगी। ट्रांसपोर्टनगर में ढही बिल्डिंग का मलबा हटाने का काम सोमवार को भी जारी रहा।

उत्तर प्रदेश ने विकास और निवेश के नए युग में किया प्रवेश - योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नोएडा में स्थापित हो रहे आइकिया स्टोर का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास किया। इस दौरान साढ़े सात वर्ष में उत्तर प्रदेश ने देश–दुनिया के निवेशकों का विश्वास अर्जित किया है। आइकिया इंडिया उन्हीं निवेशकों में से एक है। आइकिया इंडिया द्वारा उत्तर प्रदेश में 5500 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव पर धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत के अंदर अब इन्वेस्टमेंट का ड्रीम डेटिनेशन बन गया है। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े सात साल में उत्तर प्रदेश ने विकास और निवेश के नए युग में प्रवेश किया है।

9 हजार से अधिक युवाओं को प्राप्त होगा रोजगार

सीएम योगी ने कहा कि इंग्का सेंटर्स की इस नई परियोजना में आइकिया रिटेल स्टोर, होटल, ऑफिस स्पेस और शॉपिंग सेंटर खोला जाएगा। इसके माध्यम से 9 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि 2017 के बाद से इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, निवेश की नई संभावनाओं के विकास, स्किल डेवलपमेंट और परंपरागत उत्पादों के प्रोत्साहन में उत्तर प्रदेश ने अनेक कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं, आज उसके परिणाम हम सबके सामने है। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की ओडीओपी योजना देश की अभिनव योजना बन गई है। साथ ही बेहतरीन कानून व्यवस्था से उत्तर प्रदेश ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में देश में अग्रणी है। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत की आबादी का सबसे बड़ा राज्य है, जो वर्तमान में भारत की अर्थव्यवस्था में 9.2 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। आज उत्तर प्रदेश देश में दूसरे नंबर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य है, जो तेजी के साथ भारत के विकास के ग्रोथ इंजन के रुप में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि 2017 में उत्तर प्रदेश ने अपनी औद्योगिक विकास नीति बनाई थी, उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हम लोगों का मार्गदर्शन करते हुए कहा था कि इन्वेस्टमेंट को एम्प्लॉयमेंट के साथ जोड़ना चाहिए। आइकिया इंडिया के स्टोर का शिलान्यास उसी का परिणाम है। सीएम योगी ने कहा कि देश की सबसे बड़ी और प्रतिभावान युवा आबादी उत्तर प्रदेश में निवास करती है। विगत साढ़े सात वर्ष में उत्तर प्रदेश की बेरोजगारी दर घटी है। 27 अलग–अलग सेक्टर की सेक्टोरियल पॉलिसी के साथ उत्तर प्रदेश भारत के विकास में अपना योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना अथॉरिटी का क्षेत्र इस वर्ष के अंत में पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधाओं के साथ ही भारत के सबसे बड़े नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के साथ जुड़ जाएगा।

मायावती ने कहा, भाजपा और सपा का चाल चरित्र एक जैसा

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने सुल्तानपुर में डकैती के बाद हुए एनकाउंटर को लेकर भाजपा और सपा के बीच आरोप–प्रत्यारोप को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सुल्तानपुर जिले में एनकाउंटर के बाद से भाजपा व सपा में कानून–व्यवस्था को लेकर आरोप–प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं। अपराध, अपराधी व जाति के नाम पर जबरदस्ती की राजनीति की जा रही है। इस मामले में ये दोनों दलों का चाल और चरित्र एक जैसा ही है। बसपा सुप्रीमो ने सोशल मीडिया पर आगे लिखा कि भाजपा की तरह सपा सरकार में भी तो कई गुना ज्यादा कानून–व्यवस्था का बुरा हाल था। दलितों, अन्य पिछड़े वर्गों, गरीबों व व्यापारियों आदि को सपा के गुंडे, माफिया दिनदहाड़े लूटते व मारते–पीटते थे। ये सब लोग भूले नहीं हैं। जबकि प्रदेश में वास्तव में कानून द्वारा कानून का राज बसपा के शासन में ही रहा है। जाति व धर्म के भेदभाव के बिना लोगों को न्याय दिया गया। कोई फर्जी एनकाउंटर आदि भी नहीं हुए। लिहाजा भाजपा व सपा के कानूनी राज के नाटक से सभी सजग रहें।

जयशंकर सऊदी अरब और यूरोप की यात्रा पर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर दो दिन सऊदी अरब में बिता कर मंगलवार 10 सितंबर को यूरोप पहुंचेंगे. यूरोप में वो जर्मनी और स्विट्जरलैंड जाएंगे और उन देशों के नेताओं से कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करेंगे. एस जयशंकर रविवार नौ सितंबर को गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) की बैठक के लिए सऊदी अरब की राजधानी रियाध पहुंचे. जीसीसी फारस की खाड़ी से घिरे देशों का एक समूह है. सऊदी अरब के अलावा, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, ओमान, कतार और कुवैत इसके सदस्य देश हैं. जयशंकर की यात्रा से पहले भारत के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत और जीसीसी के बीच गहरे और बहुआयामी संबंध हैं, जो व्यापार, निवेश, ऊर्जा, संस्कृति जैसे क्षेत्रों और लोगों के बीच आपसी रिश्तों में दिखाई देते हैं.

यूक्रेन पर हो सकती है बातचीत

बयान में आगे कहा गया, ष्जीसीसी इलाका भारत के लिए एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार के रूप में उभरा है और यहां बड़ी संख्या में (89 लाख) प्रवासी भारतीय रहते हैं. ष्जयशंकर जीसीसी के सभी सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों से द्विपक्षीय बातचीत भी करेंगे. यात्रा के दूसरे चरण में मंगलवार को जयशंकर जर्मनी की दो दिनों की यात्रा के लिए बर्लिन पहुंचेंगे. वहां वो जर्मन विदेश मंत्री अनालेना बेयरबॉक से और जर्मन सरकार के अन्य मंत्रियों से मिलेंगे. आधिकारिक बयान में कहा गया है कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रिश्तों के हर पहलू पर बातचीत होगी. लेकिन अटकलें लग रही हैं कि बातचीत यूक्रेन युद्ध पर केंद्रित रह सकती है. 12 और 13 सितंबर को जयशंकर स्विट्जरलैंड के जेनेवा शहर में होंगे. वहां वो स्विस विदेश मंत्री से दोनों देशों के बीच कई क्षेत्रों में सहयोग पर बातचीत करेंगे. जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र समेत कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों के दफ्तर हैं और जयशंकर इन संगठनों के प्रतिनिधियों से भी मिलेंगे. बीते कुछ हफ्तों से यूक्रेन युद्ध में भारत द्वारा मध्यस्थता करने की संभावना पर चर्चा चल रही है. जयशंकर की यूरोप यात्रा को इस संभावना की दृष्टि से भी देखा जा रहा है. भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जुलाई में रूस और अगस्त में यूक्रेन भी गए थे। इन यात्राओं के दौरान उन्होंने पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से और फिर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदीमीर जेलेंस्की से बातचीत की थी।

भाजपा किसी की सगी नहीं – अखिलेश यादव

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी के 69000 शिक्षक भर्ती मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर सोमवार को रोक लगा दी। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ सामान्य वर्ग के चयनित उम्मीदवारों द्वारा दायर मामले की सुनवाई कर रही थी। अब इसी के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने राज्य की योगी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने एक्स पोस्ट पर लिखा कि भाजपा सरकार नौकरी देनेवाली सरकार नहीं है। अखिलेश ने कहा कि 69000 शिक्षक भर्ती मामले में उप्र की सरकार दोहरा खेल न खेले। इस दोहरी सियासत से दोनों पक्ष के अभ्यर्थियों को ठगने और सामाजिक, आर्थिक व मानसिक रूप से ठेस पहुँचाने का काम भाजपा सरकार न करे। उप्र की भाजपा सरकार की भ्रष्ट–प्रक्रिया का परिणाम अभ्यर्थी क्यों भुगतें। जो काम 3 दिन में हो सकता था, उसके लिए 3 महीने का इंतजार करना और ढिलाई बरतना बताता है कि भाजपा सरकार किस तरह से नयी सूची को जानबूझकर न्यायिक प्रक्रिया में उलझाना व सुप्रीम कोर्ट ले जाकर शिक्षक भर्ती को फिर से लंबे समय के लिए टालना चाह रही है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ले जाकर भर्ती लटकाने की भाजपाई चालबाजी को अभ्यर्थी समझ रहे हैं। उप्र भाजपा सरकार का ऐसा आचरण घोर निंदनीय है। भाजपा न इनकी सगी है, न उनकी। प्रधान न्याया धीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने रवि कुमार सक्सेना और 51 अन्य द्वारा दायर याचिका पर राज्य सरकार और उप्र बेसिक शिक्षा बोर्ड के सचिव सहित अन्य को नोटिस भी जारी किए।

राहुल गांधी भारत का अपमान नहीं कर सकते – मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा अमेरिका में भारत के संबंध में दिए बयान पर बीजेपी हमलावर है। बीजेपी का कहना है कि राहुल गांधी जब कभी–भी विदेश दौरे पर जाते हैं, तो भारत का अपमान करते हैं। इसी बीच, कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राहुल गांधी का बचाव किया। उन्होंने बीजेपी को आड़े हाथों लेते हुए कहा, "राहुल गांधी ने कभी–भी भारत का अपमान नहीं किया है, ना ही कर सकते हैं, और ना ही कभी करेंगे। यह हमारा वादा है। बीजेपी के पास कोई बहाना होना चाहिए, ताकि ऐसे मुद्दे उठा सकें। बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेरिका दौरे पर हैं, जहां उन्होंने भारत को कमतर आंकते हुए चीन की तारीफ की। उन्होंने कहा, "एक तरफ जहां भारत में बेरोजगारी एक विकट समस्या का रूप धारण करती जा रही है। वहीं दूसरी तरफ चीन और वियतनाम जैसे देशों में रोजगार तेजी से बढ़ रहा है। इन देशों में बेरोजगारी खत्म होती जा रही है। राहुल द्वारा चीन की तारीफ किए जाने पर बीजेपी ने हमला बोलते हुए कहा कि राहुल जब कभी–भी विदेशी धरती पर जाते हैं, तो इसी तरह भारत को लेकर विवादित बयान देते हैं। वे विदेशी भूमि पर राष्ट्र को अपमानित करने का प्रयास करते हैं, जिसे हम लोग किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं कर सकते हैं। इसके अलावा, राहुल गांधी ने अमेरिका में बीजेपी और आरएसएस पर भी हमला बोला। उन्होंने वहां कहा कि, "आरएसएस की विचारधारा ही है।

नीतीश कुमार थक चुके हैं सीएम, राज्य को संभालने में असमर्थ - तेजस्वी यादव

पटना, एजेंसी। पटना में अज्ञात अपराधियों द्वारा भाजपा नेता मुन्ना शर्मा की गोली मारकर हत्या किए जाने के बाद राजद नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने सोमवार को राज्य सरकार पर कटाक्ष किया और कहा कि उनके संरक्षण में बिहार में अपराध फल–फूल रहा है। यादव ने आगे आरोप लगाया कि अपराधी जब चाहें, जहां चाहें किसी को भी गोली मार दे रहे हैं और एनडीए नेता राज्य में बढ़ते अपराध से अनजान हैं। पूर्व डिप्टी सीएम यादव ने राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की आलोचना करते हुए उन्हें व्यस्त और थका हुआ कहा और उन पर राज्य का प्रबंधन करने में असमर्थ होने का आरोप लगाया। एक्स पर एक पोस्ट में तेजस्वी यादव ने एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि बिहार में सरकार के संरक्षण में अपराध फल–फूल रहा है। अपराधी जब और जहां चाहे, किसी को भी गोली मारकर भाग जा रहे हैं। वीडियो में अपराधी बीजेपी नेता को गोली मारकर भाग रहे हैं। ट्वीट में कहा गया कि एनडीए नेता बढ़ते अपराध से अनजान हैं। इधर–उधर लगे रहने वाले व्यस्त और थके हुए सीएम से बिहार बिल्कुल नहीं संभल रहा है। सोमवार की सुबह,

भारतीय जनता पार्टी के नेता मुन्ना शर्मा की अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी, जब वे कथित तौर पर पटना में चेन–स्नैचिंग के प्रयास का विरोध कर रहे थे। शर्मा, जो पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष थे, को गोलीबारी की घटना में घायल होने के बाद अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पटना पुलिस के मुताबिक, सोमवार सुबह अपराधियों ने शर्मा को पटना सिटी के एक रेस्टोरेंट के पास गोली मार दी. उन्हें घटना की जानकारी आज सुबह करीब 6.15 बजे मिली। पटना पुलिस ने कहा कि उनके परिवार ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस अधिकारी के अनुसार, गोलीबारी की घटना के आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।

2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद का हो जाएगा सफाया – सीएम विष्णुदेव

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के राजा चक्रधर की जयंती के मौके पर रायगढ़ में मनाए जाने वाले चक्रधर समारोह का शुभारंभ करके रायपुल लौटे मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बात की। प्रदेश में नक्सलवाद के फिर से मजबूत होने के सवाल पर उन्होंने कहा," हम लोग नक्सलवाद के खिलाफ मजबूती से लड़ रहे हैं। देश के गृह मंत्री अमित शाह ने देश से नक्सलवाद का खात्मा करने के लिए 2026 का डेडलाइन घोषित की है। उनकी इस घोषणा पर किसी को कोई संदेह नहीं होना चाहिए। प्रदेश में सीमेंट के बढ़ते दामों को लेकर मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के 12 सितंबर से धरना प्रदर्शन के अल्टीमेटम पर उन्होंने कहा, "विपक्ष को अपना धर्म निभाना चाहिए, हम अपना निभा रहे हैं। साथ ही उन्होंने रायगढ़ में शुभारंभ चक्रधर समारोह की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा, "मैंने शनिवार को रायगढ़ में चक्रधर समारोह का उद्घाटन किया। राजा चक्रधर सिंह एक महान सम्राट के रूप में विख्यात हुए। उन्होंने रायगढ़ का नाम पूरी दुनिया में रोशन किया। उनके जन्मदिन के मौके और गणेश चतुर्थी पर चक्रधर समारोह का शुभारंभ होता है। इसी उपलक्ष में मैंने चक्रधर समारोह का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में रायगढ़ जिले के प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम भी मौजूद थे, जो हमारी सरकार के कृषि मंत्री हैं। रायगढ़ जिले के गौरव और वहां के लोकप्रिय विधायक और हमारी सरकार के वित्त मंत्री ओपी चौधरी, रायगढ़ से हमारे दोनों सांसद राधे श्याम राठिया जी और राज्यसभा सांसद देवेंद्र मौजूद रहे।

राज्यों को एक–दूसरे के खिलाफ खड़ा करने की हो रही कोशिश – धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली, एजेसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन के उस बयान का जवाब दिया, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि एनईपी को लागू करने से इनकार करने पर समग्र शिक्षा योजना के तहत सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों को केंद्र द्वारा धन से वंचित किया जा रहा है। अपने पोस्ट में धर्मेंद्र प्रधान ने लिखा कि लोकतंत्र में राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का हमेशा स्वागत है। हालाँकि, अपनी बात रखने के लिए राज्यों को एक–दूसरे के खिलाफ खड़ा करना संविधान की भावना और एकीकृत भारत के मूल्य के खिलाफ है। एनईपी 2020 को व्यापक विचार–विमर्श के माध्यम से तैयार किया गया था और इसमें भारत के लोगों का सामूहिक ज्ञान है। मैं एनईपी के आपके सैद्धांतिक विरोध पर कुछ सवाल उठाना चाहता हूं। उन्होंने सवाल करते हुए लिखा कि 1. क्या आप तमिल सहित मातृभाषा में शिक्षा का विरोध कर रहे हैं? 2. क्या आप तमिल सहित भारतीय भाषाओं में परीक्षा आयोजित करने का विरोध कर रहे हैं? 3. क्या आप तमिल सहित भारतीय भाषाओं में पाठ्यपुस्तकों और सामग्री के निर्माण का विरोध कर रहे हैं? 4. क्या आप एनईपी के समग्र, बहु–विषयक, न्यायसंगत, भविष्यवादी और समावेशी ढांचे के विरोध में हैं?

आरएसएस के विपरीत, विचारों की बहुलता को मानती है कांग्रेस - राहुल

नई दिल्ली, एजेसी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधा और कहा कि जहां "उनका मानना है कि भारत एक विचार है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस का मानना है कि भारत विचारों की बहुलता वाला देश है। डलास में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, "हमारा मानना है कि हर किसी को सपने देखने की अनुमति दी जानी चाहिए और उनकी जाति, भाषा, धर्म, परंपरा या इतिहास की परवाह किए बिना उन्हें भाग लेने की अनुमति एवं स्थान दिया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात का जिक्र किया कि 2024 का आम चुनाव भाजपा के लिए एक बड़ा झटका था। साथ ही कहा , "हमने देखा कि चुनाव परिणाम के कुछ ही मिनटों के भीतर, भारत में कोई भी भाजपा या भारत के प्रधानमंत्री से नहीं डरता था। इसलिए ये बहुत बड़ी उपलब्धियां हैं, राहुल गांधी या कांग्रेस पार्टी की नहीं। उन्होंने आगे कहा, "ये भारत के लोगों की बहुत बड़ी उपलब्धियाँ हैं जिन्होंने लोकतंत्र को महसूस किया, भारत के लोगों की जिन्होंने महसूस किया कि हम अपने संविधान पर हमले को स्वीकार नहीं करेंगे। हम अपने धर्म, अपने राज्य पर हमले को स्वीकार नहीं करने जा रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव में लड़ाई उसी समय साफ हो गयी थी, जब भारत के लाखों लोगों ने स्पष्ट रूप से समझ लिया कि प्रधानमंत्री मोदी संविधान पर हमला कर रहे हैं। रायबरेली के सांसद ने कहा, "मैंने जो एक–एक शब्द आपसे कहा है, वह संविधान में है। आधुनिक भारत की नींव संविधान है। चुनाव में लोगों ने जो स्पष्ट रूप से समझा और मैंने देखा कि जब मैं संविधान उठाता था, तब लोगों ने समझा कि मै क्या कह रहा

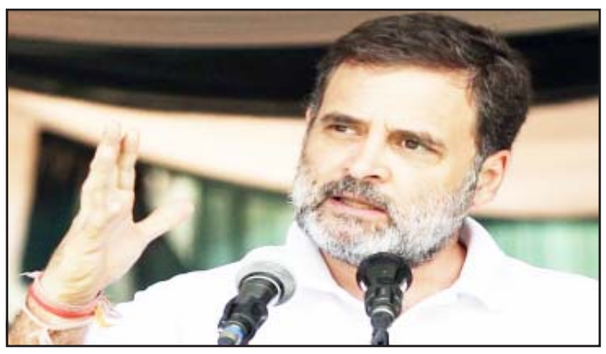

था। " वे कह रहे थे कि भाजपा हमारी परंपरा पर हमला कर रही है, हमारी भाषा पर हमला कर रही है, हमारे राज्यों पर हमला कर रही है, हमारे इतिहास पर हमला कर रही है। राहुल गांधी ने कहा "संसद में मेरे पहले भाषण में, जब मैंने श्अभय मुद्राश् का वर्णन किया तो आपने देखा होगा कि यह निर्भयता का प्रतीक है और यह हर एक भारतीय धर्म में मौजूद है। जब मैं यह कह रहा था, तो भाजपा इसे स्वीकार नहीं कर सकी। वे नहीं समझते हैं, और हम उन्हें समझाने जा रहे हैं। भारतीय प्रवासियों की सराहना करते हुए राहुल गांधी ने कहा, "आप वे लोग हैं जो भारत से आए हैं, और जिन मूल्यों का मैं वर्णन कर रहा हूं – संविधान के मूल्य, सम्मान के मूल्य, विनम्रता के मूल्य – आप अपने दिलों में रखते हैं, वे आपके अंदर रक्त में हैं। जब आप इस देश में आए, तो आप अहंकार के साथ नहीं, बल्कि विनम्रता के साथ आए। आप घृणा के साथ नहीं, बल्कि प्यार और स्नेह के साथ आए, यह सोचकर कि श्हम अमेरिका आए हैं श्कौन हैं ये लोग? नहीं, आप सम्मान के साथ आए हैं। आपके दिलों में सम्मान, प्यार और विनम्रता है। उन्होंने उन्हें ऐसे राजदूत करार दिया जो इन दो संघों – संयुक्त राज्य अमेरिका और राज्यों के संघ के बीच एक सेतु है, जैसा कि भारत के संविधान में लिखा है। राहुल गांधी अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं।

संपादकीय

सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर लगाम

जब सारी करुणा फैशन से बाहर हो जाती है तो संशयवादियों का अपना रास्ता होता है जब हर प्रेमपूर्ण धारणा हंगामे का विषय होती है तो निंदक दिन जीतते हैं लेकिन बच्चू, तब भी वफादार अभी भी जानते हैं कि सफेद और काला केवल अंधेरा है या ग्रे के साफ किए गए शेड हैं। स्वीटर कविता से, बच्चू द्वारा इस सप्ताह अंग्रेजी चौनल के पार ब्रिटिश तटों पर जाने की कोशिश कर रहे दयनीय शरणार्थियों से भरी एक पतली नाव डूब गई, जिसमें बारह लोग मारे गए – जिनमें कई बच्चे भी शामिल थे। यह एक बार–बार होने वाली त्रासदी है। ये शरणार्थी, कम से कम उनमें से अधिकांश, अफगानिस्तान, सूडान, सोमालिया और सौ अन्य देशों जैसे देशों से उत्पीड़न से भाग रहे हैं। वे तुर्की, यूरोप और फिर ब्रिटेन पहुंचाने के लिए आपराधिक गिरोहों को हजारों पाउंड का भुगतान करते हैं। टोरी और अब लेबर सरकार का कहना है ये गिरोह उन देशों से काम करते हैं जहाँ से शरणार्थी आते हैं, यूरोप में सहायक संगठनों के माध्यम से और फ्रांस में गुंडों के माध यम से जो गिरोह के निचले स्तर के सदस्य हैं और उन्हें तीस या चालीस लोगों को रखने वाली नाव पर शायद नब्बे लोगों को ठूंसने का काम सौंपा जाता है और रात में नाव के डूबने या तैरने के लिए छोड़ दिया जाता है। फ्रांसीसी अधिकारियों, जिन्हें ब्रिटेन की सरकारें मानव तस्करी गिरोहों पर कार्रवाई के लिए सब्सिडी देती हैं, ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि वे ब्रिटेन के ढीले रोजगार कानूनों को दोषी मानते हैं, जो सस्ते अप्रवासी श्रम की सुविधा देते हैं, जो इन शरणार्थियों को लुभाते हैं। जो लोग क्रॉसिंग से बच जाते हैं उन्हें ब्रिटेन की रॉयल नेवी या कोस्ट गार्ड द्वारा उठा लिया जाता है और महीनों और यहाँ तक कि सालों तक निलंबित जीवन व्यतीत करना पड़ता है, जबकि शरण के उनके दावों का मूल्यांकन गृह कार्यालय के एक धीमे और बेहद कम कर्मियों वाले विभाग द्वारा किया जाता है। इस प्रक्रिया के दौरान शरणार्थियों को समायोजित करना उपद्रवी लोगों को सरकारी खजाने और इसलिए ब्रिटिश करदाताओं पर एक अनावश्यक बोझ के रूप में दिखता है। इस साल जुलाई में स्टॉकपोर्ट में एक डांस क्लास में तीन बहुत छोटे बच्चों की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी, जब एक युवक, जो टेलर–स्विफ्ट थीम वाली इस डांस क्लास से कुछ परिचित था, तलवार लेकर घुस गया और बच्चों और वयस्कों पर हमला कर दिया, जिन्होंने फिर उसका सामना किया। ब्रिटिश कानून के तहत, जो कम उम्र के अपराधियों का नाम बताने पर रोक लगाता है, उसकी पहचान मीडिया से छिपाई गई थी। उपद्रवी लोग, किसी भी तरह के अप्रवासियों का विरोध करने वाले लोग और अन्य लोग जो लंबे समय से महसूस करते हैं और दावा करते हैं कि मुस्लिम अप्रवासी भयानक अपराधों के लिए जिम्मेदार हैं, इस कृत्य में शामिल हो गए और सोशल मीडिया पर छा गए। इनमें रिफॉर्म पार्टी के नेता निगेल फरेज जैसे दूर–दराज के राजनेता शामिल थे, जिन्होंने टीवी पर कहा कि पुलिस हत्यारे की पहचान गुप्त रख रही थी क्योंकि वह शायद एक मुस्लिम अप्रवासी था। मुझे यहाँ स्पष्ट होना चाहिए। श्री फरेज ने यह स्पष्ट रूप से नहीं कहा। उन्होंने केवल इतना कहा कि हमें पूरी सच्चाई नहीं बताई जा रही है। और फिर भी मेरे अनुमान में, मुझे लगता है कि जो लोग श्री फरेज और रिफॉर्म की नीतियों के लिए वोट करते हैं और उनका अनुसरण करते हैं, वे यह मान लेंगे कि हत्यारा एक मुस्लिम शरणार्थी था और इस तरह की भयानक हत्या का श्रेय उसी व्यक्ति को जाता है। दंगाइयों ने काम किया। 30 जुलाई से 5 अगस्त तक ब्रिटेन के शायद बीस शहरों में दंगे हुए। सैकड़ों दंगाइयों ने मस्जिदों और इमारतों में आग लगाने की कोशिश की, जहाँ शरणार्थियों को रखा गया था और शांति बनाए रखने के लिए ड्यूटी पर मौजूद पुलिस पर हमला किया। लेबर सरकार चुप रहने वाली नहीं थी और सर कीर स्टारमर और गृह सचिव यवेट कूपर ने इस गुंडागर्दी को रोकने के लिए तुरंत पुलिस बल तैनात किया। आपको याद होगा, प्रिय पाठक, साथी एलन मस्क ने अपने एक्स प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल हास्यास्पद तरीके से यह दावा करने के लिए किया था कि ब्रिटेन ष्गृह युद्ध के कगारष पर है। सैकड़ों गिरफ्तारियां की गईं, कुछ को पुलिस पर ईंट फेंकने के लिए, दूसरों को शरणार्थियों के आवास वाली इमारतों में आग लगाने की कोशिश करने के लिए, अन्य को मुसलमानों और मस्जिदों पर हमले का आग्रह करने के लिए। कुछ अपराध हास्यास्पद हैं। मैनचेस्टर के 52 वर्षीय बाबरा बार्कर ने अंडे खरीदने के लिए हिंसक उपद्रव के आरोप में खुद को दोषी नहीं ठहराया, जिसका इस्तेमाल प्रदर्शनकारियों ने दंगे के दौरान फेंकने के लिए किया था। कुछ अधिक गंभीर हैंरू टोरी पार्षद की पत्नी लूसी कोनोली ने मस्क के सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर यह संदेश पोस्ट किया– अब सामूहिक निर्वासन, कमीनों से भरे सभी होटलों में आग लगा दो... अगर यह मुझे नस्लवादी बनाता है, तो ऐसा ही हो।ष मुझे लगता है, प्रिय पाठक, यह पोस्ट लूसी को सिर्फ एक नस्लवादी से अधिक बनाती है नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, दंगों से संबंधित अपराधों के लिए 800 लोगों पर आरोप लगाए गए हैं। इनमें से कुछ ने कूड़ेदानों में आग लगाकर और शरणार्थियों के घरों के दरवाजों से उन्हें धकेलने का प्रयास करके शारीरिक रूप से कोई अपराध नहीं किया। वे अपने परिसर की सुरक्षा से, सामाजिक मंचों का उपयोग करके उकसाने वाले थे – असहाय लोगों को भड़काने वालेय दुष्ट चरवाहे गंदे भेड़ों को भड़काने वाले। सरकार ने इस पर ध्यान दिया है और अब इसे रोकने का कोई तरीका ढूँढ़ रही है। सोशल मीडिया का इस्तेमाल नफरत फैलाने और हमलों को भड़काने के लिए किया जा रहा है।

सटीक नामकरण इतना महत्वपूर्ण

आदित्य

जब शासन परिवर्तन की बात आती है, तो वामपंथी, इस्लामवादियों के साथ मिलकर काम करते हैं, लेकिन उन्हें यह एहसास नहीं होता कि इस्लामवादी उन्हें सिर्फ उपयोगी बेवकूफ समझते हैं, जिन्हें उनकी समय–सीमा समाप्त होने के बाद आसानी से निपटाया जा सकता है। जैसा कि हमने बांग्लादेश में हाल ही में हुई हिंसा में देखा है, जब न सिर्फ हिंदू या अवामी लीग के समर्थक बल्कि वामपंथी भी व्यवस्थित, यहाँ तक कि जानलेवा, क्रूरता के निशाने पर थे। लेकिन हम शायद यह नहीं समझ पाए हैं कि कैसे धर्मनिरपेक्ष लोगों को हिंदुओं के खिलाफ हिंसा को दबाने के लिए इसी तरह घेरा जाता है और संगठित किया जाता है, न सिर्फ बांग्लादेश या भारत में, बल्कि अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया या अन्य जगहों पर भी। ष्एचष शब्द अभिशाप है और हर परिस्थिति में इसे छिपाना जरूरी है। अगर हिंदुओं पर हमला किया जाता है, उन्हें मार दिया जाता है, उनका अपहरण किया जाता है, बलात्कार किया जाता है, फिरौती या जबरन वसूली के लिए उन्हें बंधक बनाया जाता है, तो उचित विकल्प श्अल्पसंख्यकश हैं। अगर उनके मंदिरों पर हमला किया जाता है, पूजा या श्रद्धा की वस्तुओं को तोड़ा जाता है, तो फिर हत्यारी भीड़ के अन्य पीड़ितों, जैसे कि ईसाई या बौद्ध या 'आदिवासी' का भी उसी सांस में उल्लेख किया जाना चाहिए। ऐसा लगता है कि हिंदुओं के खून के बहाव का सभ्य प्रतिकारक, काली स्याही नहीं बल्कि सफेदी है। उपमहाद्वीप के दोनों तरफ एक ही तरह की अतार्किकता लागू होती है। आईसी 814 के अपहरण पर अनुभव सिन्हा की नेटफ्लिक्स सीरीज का मामला लें। एक प्रमुख मीडियाकर्मी और टिप्पणीकार, जो किसी भी तरह से हिंदुत्व–समर्थक नहीं है, ने इसे "आईएसआई के लिए एक महंगा पीआर काम" कहा है। भाजपा मीडिया सेल ने अपहरणकर्ताओं के नामों के मिथ्याकरण पर नाराजगी जताई। हालाँकि, यह पूरी तरह सच नहीं है। अपहरणकर्ताओं ने "भोला" और "शंकर" जैसे नकली हिंदू नामों का इस्तेमाल किया। साथ ही "डॉक्टर", "चीफ" और "बर्गर" जैसे गैर–धार्मिक, यहाँ तक कि निरर्थक उपनाम भी इस्तेमाल किए। लेकिन इससे अपहरणकर्ताओं की असली पहचान छिप जाती है। भोले–भाले दर्शक सोच सकते हैं कि वे भारतीय या हिंदू थे। अपहरणकर्ताओं के असली नाम – सनी अहमद काजी, शाकिर, मिस्त्री जहूर इब्राहिम, शाहिद अख्तर सईद और इब्राहिम अतहर – क्यों नहीं बताए गए? या कि वे पाकिस्तानी ऑपरेटिव थे, जिन्हें इंटर–सर्विसेज इंटेलिजेंस (ैप) या उसके प्रॉक्सी नियंत्रित करते थे? अनुभव सिन्हा और उनकी टीम के पक्ष में बोलने वाले कई तथ्य–जांचकर्ता इसका खुलासा नहीं करते। कहानी में

भू–राजनीतिक, रणनीतिक, पाकिस्तानी, इस्लामवादी पहलुओं को दबा दिया गया है। दूसरी ओर, प्रमुख मुस्लिम विपक्षी नेताओं ने यह भी पूछा है कि जब उन्होंने कश्मीर फाइल्स में कल्पना को सच मान लिया तो लोग 814 पर आपत्ति क्यों कर रहे हैं।

निश्चित रूप से वे आतंकवादियों और आतंकवाद के पीड़ितों के साथ एक जैसा व्यवहार किए जाने की उम्मीद नहीं करते? लेकिन, कौन जानता है, शायद वे ऐसा करते हों। एक व्यक्ति का आतंकवादी दूसरे व्यक्ति का स्वतंत्रता सेनानी होता है, जैसा कि कहावत है। या, एक और कहावत का हवाला देते हुए, आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। यह बिल्कुल सच है, सिवाय इसके कि इसका मतलब है कि आतंकवादी के धर्म का कभी जिक्र न करें, खासकर अगर वह इस्लाम या सिख धर्म हो। हमें स्वीकार करना चाहिए कि यह दिखावा सभी के सामने है, लेकिन बिल्कुल उस तरीके से नहीं जिस तरह से इसे बताया गया है। इसके बजाय, हमने कई पिछली बॉलीवुड ब्लॉकबस्टर्स में जो चाल देखी है, वह है आतंकवादियों को मानवीय रूप देना, उनके कार्यों का समर्थन करने वाली इस्लामवादी धार्मिक विचारधारा को छिपाना, उनकी जानलेवा हिंसा और मानव जीवन के प्रति उपेक्षा को कम करना और इसके बजाय उनकी दयालुता और दोस्ती के इशारों को बढ़ाना। पीड़ित की गर्दन पर रखी गई तेज तलवार को अदृश्य कर दिया जाता है, साथ ही मांगें पूरी न होने पर एक–एक बंधक को मारने की धमकी भी। इसके बजाय, गाना, मजाक करना या बंधक को बहन कहना और उसे शॉल भेंट करना, इस पर जोर दिया जाता है।

देश में ब्राह्मणों की स्थिति एवं योगदान

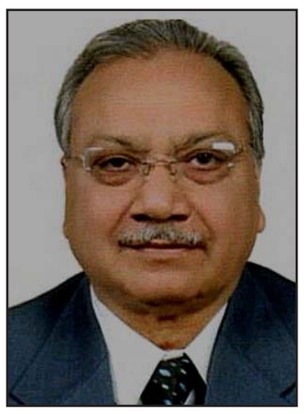

(प्रोफे० जी० सी० पाण्डेय–अवकाश प्राप्त) सरस्वती सम्मान प्राप्त पर्यावरण विद, अयोध्या

आजकल भ्रामक एवं अनर्गल प्रचार किया जा रहा है कि ब्राह्मण उच्च पदों पर आसीन हैं, उनको वह स्थान नहीं मिलना चाहिए जिनके वह भागीदार है जबकि कोई पद या प्रतिष्ठा उसकी विद्वता पर निर्भर करता है। इस सन्दर्भ में मेरा मन बहुत व्यथित है और अपनी भावना ६ धारणा / अवधारणा मन से, समाज के लिए प्रस्तुत कर रहा हूं। यह किसी भी सम्प्रदाय एवं धर्म के विरूद्ध नहीं है। अनादिकाल से ब्राह्मण सभी वर्गों को साथ लेकर चल रहा है। ब्राह्मण वर्ण व्यवस्था (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र) के अनुसार ही कार्य करता है। आजकल एवं कल केवल वर्ण व्यवस्था से ही देश चलता है और चलता रहेगा। यह एक सनातनी व्यवस्था है। अगर व्यवस्था में उच्च पदस्थ है तो उसका कार्य भी उच्च स्तर का होना चाहिए। देश में ब्राह्मणों का योगदान शिक्षा, दीक्षा, स्वतन्त्रता, देश रक्षा, पूजा–पाठ, धर्म रक्षा, मन्दिर की व्यवस्था में सनातनी पंडित रहते हुये वह करता है और वह स्थिति प्रज्ञ है। भारत के कान्तिकारी इतिहास में ब्राह्मणों का योगदान 90 प्रतिशत अतुलनीय था जिसमें नाम गिनवाने की जरूरत नहीं है। ब्राह्मणों ने कभी भी सत्ता का मोह नहीं किया परन्तु राजाओं ६ महाराजाओं का संविधान सहित सहायक रहा है। चाणक्य ही अखण्ड भारत का सपना देखा था। ब्राह्मणों की प्रत्येक पूजा में जरूरत पड़ती है। ब्राहमणों के द्वारा ही मन्त्र, वेदी, माला किसे पहनानी है, कहां दीप जलाना, देवताओं का अनुष्ठान किस जगह कहां करना है। वेद शास्त्रों में बताया गया है कि इनके द्वारा किये गये पूजा कार्य का लाभ जजमान को मिलता है जबकि जजमान खुद नहीं पा सकता। इनके द्वारा किये गये योगदान को कभी नकारा नहीं जा सकता जैसे योद्धा (परशुराम) विद्वान (रावण) स्वाभिमानी (सुदामा) धर्मरक्षक (पुष्यमित्र) कान्तिकारी (चन्द्रशेखर आजाद) कवि (तुलसीदास) राजनीतिक (चाणक्य) महाभारत (व्यास) वैद्य (चरक) गणितज्ञ (आर्यभटट), खगोलशास्त्री (ऋषि भारद्वाज) आदि रूप में ही देखा गया है। ब्राह्मण से इतिहास, है न कि इतिहास से ब्राह्मण हैं। ब्रिटिश साम्राज्य में जब धर्मान्तरण किया जा रहा था उस समय ब्राह्मणों ने ही विरोध किया था। ब्राह्मण जो मन्दिर में बैठा है वह रावण का वध करने वाले का पूजा करता है तथा सभी वर्गों को निःसंकोच मन्दिर में प्रसाद बाटता है। बाल्मीकि द्वारा लिखी रामायण पढ़ता है और पढ़ाता है। देश में ब्राह्मणों को अपने–अपने स्वार्थों के लिए बांटो मत? भारत का विनाश करना है तो ब्राह्मणों का विनाश करो। आज अवतारी पुरूष भगवान स्वरूप, प्रशुराम विश्वव्यापी हैं परन्तु इनके नाम के मन्दिर का निर्माण क्यों नहीं हो रहा है? भारत का एक मात्र मन्दिर आन्ध्र प्रदेश में है। ब्राह्मण अपना अभिमान त्याग कर ज्ञान देता है और दान लेता है, समाज के लिए। यह जाति कवच के रूप में भारत की रक्षा पूर्व कालों से कर रही है। ब्राहमा अपने योग द्वारा सबसे बड़ी सम्पत्ति ष्बुद्धिष सबसे बड़ा हथियार, धैर्य एवं अच्छी सुरक्षा, विश्वास की दवा निःशुल्क देता है। जहां तक सम्मान की बात है वहां ब्राह्मण सम्मान नहीं बल्कि प्यार ससम्मान चाहता है। वैसे राजनीति एक ऐसा पेशा है जहां चोर, झूठे एवं धोखेबाज समाज को ध ोखा दे सकते हैं फिर भी सम्मानित हो सकते है। हमने गरीब ब्राह्मण को मन्दिरों कापुजारी एवं पण्डा बना दिया और कुण्डली फल बताने के लिए ज्योतिषाचार्य सबके लिये बना दिया। इन्हीं ब्राह्मणों द्वारा अपने किये गये बुरे कृत्यों को खत्म करने के लिए देश के माफिया, गुण्डा, बलात्कारी, भ्रष्टाचारी पूजा–पाठ करवाते हैं और कहते हैं कि इनका क्या योगदान है? आज इंसान का क्या चरित्र है? हजारों कीड़े खाने वाली छिपकली सुबह महापुरूषों के चित्र के पीछे छिप जाती है। मैं तो कहता हूं कि लायक ब्राह्मणों को ही पूजिये। ब्राह्मण मत पूजिये जो होवे गुणहीन। पूजिए चरण पण्डित के होने गुण प्रवीन । आज कलयुग में ब्राह्मणो की उपयोगिता एवं योगदान होने के बावजूद भी उन पर एट्रासिटी एक्ट, 89 के तहत बिना इन्क्वायरी के भी कार्यवाही की जा सकती है। ब्राह्मणों को जातिसूचक शब्दों से गाली दिया जा सकता है। देश में आरक्षित सीटों पर वोट दे सकता है पर चुनाव नहीं लड़ सकता है। ब्राह्मणों के हित के लिए कोई आयोग आज तक नहीं बना है। वस्तुतः स्थिति यह है कि यह जाति अब आरक्षण के श्रेणी में आ जायेगी। ब्राहमणों को सजा देने के लिए एन०सी०एस०सी० एवं एस०सी०एस०टी० वर्ग का गठन किया गया है साथ ही साथ उनको सजा देने के लिए प्रत्येक जिले में एस०सी०एस०टी० न्यायालय खोले गये हैं। अन्य वर्गों की तुलना स्कूल में, चार गुनी फीस देकर अपने बच्चों को पढ़ाता है। वह बेसहारा ब्राह्मण नौकरी, प्रमोशन, घर आवंटन आदि में जिसके साथ कानूनन भेदभाव है, वह बेचारा ब्राह्मण ही है। सरकारों का संविधान द्वारा सबसे ज्यादा प्रताड़ित किया जाने वाला ब्राह्मण ही है। इस सन्दर्भ में सूच्य है कि अनादिकाल से जहां ब्राह्मण सहयोग करता है वहीं सरकार बनती है। सबसे ज्यादा वोट देकर भी खुद को लुटा–पिटा–ठगा सा महसूस करने वाला ब्राह्मण ही है। देश हित में सरकार का साथ देने वाला ब्राह्मण ही है। सम्पूर्ण भेदभाव के बावजूद भी धर्म की जय, अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सदभावना हो, विश्व का कल्याण हो की भावना जो रखता है वह ब्राह्मण ही है। सबका साथ सबका विकास मे हमारी स्थिति क्या है? यह लेख समस्त ब्राह्मण परिवारों की ओर से भारत सरकार को समर्पित।

पर्यावरण बचाइये- मानवता बचाइये

हम–आप विरासत में मिली जैव विविधता को समझें।

(सरस्वती सम्मान प्राप्त पर्यावरण विद अवकाश प्राप्त प्रोफे0 जी0 सी0 पाण्डेय), अयोध्या।

जीवन की विविधता के मूल में एक मूलभूत सत्य निहित है। जंगल में सब कुछ अन्तर्सबंधो से बंधा है। जैव विविधता (जै0वि0) ही जीवन की नैया का खेवनहार है। जितनी अधिक जै0वि0, उतना ही अधिक जीवन का उत्कर्ष, उतना ही प्रबल जीवन गामी पृथ्वी का ब्रहमाण्ड में साम्राज्य। यह जीवन के स्थायित्व और चिरंजीविता के केन्द्र में है, किन्तु जै0वि0 के योग से भी परे अस्तित्व से आलोक से सराबोर जीवन स्वयं में नैसर्गिक विकास की एक मनोरम गाथा का प्रतीक है।

जै0वि0 प्रकाश की जीवन कहानी है, जिसे सूर्य का प्रकाश प्रकाश–संश्लेषण के माध्यम से जीवन ऊर्जा के अनन्त रूपों में खिलकर आकाश गंगाओं को सुनाता है। पेड़–पौध ाों के पर्ण रहित से अठखेलियां कर प्राकृतिक विकास के नवाचारों के झरोखे खोलता प्रकाश अनन्त जीवों और पारिस्थितिक तन्त्रों को निरन्तर पोषित करता है। जीवन गाथा को अमर बनाये रखने के लिए नई प्रजातियां और उनके आनुवंशिक रूप जीवन को समृद्धि और आनन्द का उपहार देते रहते हैं। एक बहती नदी के समान, ऊर्जा जीवन के विभिन्न माध यमों से स्वयं को अभिव्यक्त करती है। पदार्थ निष्क्रिय होता है, ऊर्जा क्रियाशील। पदार्थ की क्रियाशीलता ऊर्जा के कारण होती है। सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड की गतिशीलता का स्त्रोत ऊर्जा ही है। मुक्तावस्था में ऊर्जा विध वंसक रूप ले सकती है जिसे एन्ट्रापी कहते हैं। असंख्य जीवन वाहिकाओं में प्रकाश संश्लेषण के माध्यम से प्रवेश कर सौर ऊर्जा एक रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रदर्शित करती है। सभी जीवधारियों का व्यवहार और उनके कार्यकलाप उसी ऊर्जा की रचनात्मक अभिव्यक्तियां हैं। मुक्तावस्था में यही ऊर्जा अराजक हो सकती है। ऊर्जा जीवन की जितनी विविधता में क्रियाशील होगी, उतनी ही सृजनशीलता और सन्तुलन की अवस्था में होगी। इसी प्रकार पृथ्वी की भी ब्रह्माण्ड के सन्तुलन में महत्त्वपूर्ण भूमिका है। ब्रह्माण्ड की एन्ट्रापी को नियंति कर एक ब्रहमांडीय सन्तुलन स्थापित करना है। जै0 वि0 भरी पृथ्वी का अनुष्ठान है। पृथ्वी पर जीवन केवल पृथ्वी का ही नहीं, ब्रह्माण्ड का एक उपादान है। पृथ्वी का उदय ब्रहमांड के विकास की अनवरत मात्रा का एक लक्ष्य रहा होगा। ब्रह्माण्ड में बिग बैंग की घटना से कालान्तर में पृथ्वी–रूपी अमृत निकला, जै0 वि0 जिसकी बूंदे हैं।जीवन की स्थिरता, गतिशीलता और निरंतरता उसकी विविधता पर निर्भर है। जै0 वि0 जीवन की जलवायु संबंधी अनियमित्ताओं के प्रति लचीला बनाती है और प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम जीव समुदायों को पोषित करती है। जै0 वि0 का समृद्धि भण्डार जैव–रसायनिक चक्रों की निरन्तरता सुनिश्चित करता है। इसके अतिरिक्त जै0 वि0 पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखती है और जैव मण्डल के जीवन–निर्वाह को संरक्षित करती है। जै0 वि0 हमारे जिन्दा गृह को जीवन–शक्ति प्रदान करती है। इस अदभुत विविधता के जागरूक प्रबंधक के रूप में आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन के बहुरूप दर्शन को संरक्षित करना हमारा परम दायित्व है। जीवों के पारस्परिक तालमेल और मानव सहित सम्पूर्ण जीवन के अस्तित्व के लिए जै0 वि0 जीवन के मूल सार का प्रतीक है। जै0 वि0 जीवन की रचनात्मकता की असंख्य अभिव्यक्तियों को दर्शाती है, जिसमें प्रजातियों, पारिस्थितिक तन्त्र और आनुवंशिक विविध ाता का समृद्धि स्पेक्ट्रम सम्मिलित है और जो हमारे गृह पर स्वयं हमारी प्रजाति के अस्तित्व के पहले से निवास करते हैं। वस्तुतः पारिस्थितिक दर्शन की अन्तर्दृष्टि हमें जै0 वि0 की केवल दोहन किये जाने वाले संसाधन के रूप में नहीं वरन एक पवित्र विरासत के रूप में समझने के लिए प्रेरित करती है। सूक्ष्म जीव से लेकर विशालकाय रेड बुक तक, प्रत्येक जीव पारिस्थितिक संन्तुलन और स्वास्थ्य को बनाये रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हुये जीवन की जटिल प्रतिक्रियाओं में योगदान देते हैं। वर्तमान में जै0 वि0 जीवित पृथ्वी की परम आत्मा का प्रतीक है जिसके बल पर हमारा जैव मण्डल, जीवन–शक्ति और सन्तुलन के साथ स्पदित होता है। अभूतपूर्व पर्यावरण चुनौतियों के युग में जै0 वि0 जीवन के अस्तित्व की कुंजी है। वर्तमान में जैसे–जैसे जलवायु परिवर्तन में तेजी आ रही है और पारिस्थितिक तंत्र बढ़ते खतरों का सामना कर रहा है, पारिस्थितिक दर्शन से मिला ज्ञान हमें प्रकृति के साथ अपने सम्बन्धों को फिर से जागृत करने और पारिस्थितिक प्रबन्धन के प्रतिमान को अपनाने का आग्रह करता है। भावी पीढ़ियों के लिए जै0 वि0 सुख, समृद्धि और सन्तोष की विरासत सुनिश्चित करती है।

क्षमा की धरती को उर्वरा बनाते हैं मैत्री के फूल

ललित

जैनधर्म की त्याग प्रधान संस्कृति में पर्युषण पर्व का अपना अपूर्व एवं विशिष्ट आध्यात्मिक महत्व है। यह एकमात्र आत्मशुद्धि का प्रेरक पर्व है। इसीलिए यह पर्व ही नहीं, महापर्व है। संपूर्ण जैन समाज इस पर्व के अवसर पर जागृत एवं साध ानारत हो जाता है। आठ दिनों की कठोर साधना के बाद मैत्री दिवस का आयोजन होता है। पर्युषण पर्व का हृदय है–'क्षमापना दिवस' जिसे मैत्री दिवस भी कहते हैं। इस दिन अपनी भूलों या गलतियों के लिए क्षमा मांगना एवं दूसरों की भूलों को भूलना, माफ करना, यही इस पर्व को मनाने की सार्थकता सिद्ध करता है। यदि कोई व्यक्ति इस दिन भी दिल में उलझी गांठ को नहीं खोलता है, तो वह अपने सम्यग्दर्शन की विशुद्धि में प्रश्न चिन्ह खड़ा कर लेता है। क्षमायाचना करना, मात्र वाचिक जाल बिछाना नहीं है। परंतु क्षमायाचना करना अपने अंतर को प्रसन्नता से भरना है। बिछुड़े हुए दिलों को मिलाना है, मैत्री एवं करुणा की स्रोतस्विनी बहाना है। मैत्री पर्व का दर्शन बहुत गहरा है। मैत्री तक पहुंचने के लिए क्षमायाचना की तैयारी जरूरी है। क्षमा लेना और क्षमा देना मन परिष्कार की स्वस्थ परम्परा है। क्षमा मांगने वाला अपनी कृत भूलों को स्वीकृति देता है और भविष्य में पुनः न दुहराने का संकल्प लेता है जबकि क्षमा देने वाला आग्रह मुक्त होकर अपने ऊपर हुए आघात या हमलों को बिना किसी पूर्वाग्रह या निमित्तों को सह लेता है। क्षमा ऐसा विलक्षण आधार है जो किसी को मिटाता नहीं, सुधरने का मौका देता है। भगवान महावीर ने कहा–'अहो ते खंति उत्तमा'–क्षांति उत्तम धर्म है। 'तितिक्खं परमं नच्चा'–तितिक्षा ही जीवन का परम तत्व है, यह जानकर क्षमाशील बनो। पयुर्षण महापर्व से जुड़ा मैत्री पर्व मानव–मानव को जोड़ने व मानव हृदय को संशोधित करने का पर्व है, यह मन की खिड़कियों, रोशनदानों व दरवाजों को खोलने का पर्व है, जो एकाग्रता एवं एकांत आध्यात्मिक जिज्ञासाएं जगाकर एक समृद्ध एवं अलौकिक अनुभव तक ले जाता है। इस भीड़भाड़ से कहीं दूर सबसे पहली जो चीज व्यक्ति इस पर्युषण की साधना से सीखता है वह है –'अनुशासनयुक्त मैत्रीमय जीवन।' यह विलक्षण साधना तनावमुक्ति का विशिष्ट प्रयोग है जिससे शरीर को आराम मिलता है, अपने आपको, अपने भीतर को, अपने सपनों को, अपनी आकांक्षाओं तथा उन प्राथमिकताओं को जानने का यह अचूक तरीका है, जो घटना–बहुल जीवन की दिनचर्या में दब कर रह गयी है। इस दौरान परिवर्तन के लिये कुछ समय देकर हम अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकते हैं तथा साथ ही इससे अपनी आंतरिक प्रकृति को समझ सकते हैं, उसे उन्नत एवं समृद्ध बना सकते हैं। भगवान महावीर ने क्षमा यानि समता का जीवन जीया। वे चाहे कैसी भी परिस्थिति आई हो, सभी परिस्थितियों में सम रहे। ''क्षमा वीरो का भूषण है''–महान् व्यक्ति ही क्षमा ले व दे सकते हैं। पर्युषण पर्व क्षमा के आदान–प्रदान का पर्व है। इस दिन सभी अपनी मन की उलझी हुई ग्रंथियों को सुलझाते हैं, अपने भीतर की राग–द्वेष की गांठों को खोलते हैं वह एक दूसरे से गले मिलते हैं। पूर्व में हुई भूलों को क्षमा के द्वारा समाप्त करते हैं व जीवन को पवित्र बनाते हैं। पर्युषण महापर्व का समापन मैत्री दिवस के साथ होता है। इस तरह से पर्युषण महापर्व एवं क्षमापना दिवस– यह एक दूसरे को निकटता में लाने का पर्व है। यह एक दूसरे को अपने ही समान समझने का पर्व है। गीता में भी कहा है –'आत्मौपम्येन सर्वत्रः, समे पश्यति योर्जुन''–श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा–हे अर्जुन ! प्राणीमात्र को अपने तुल्य समझो। भगवान महावीर ने कहा–''मित्ती में सव्व भूएसु, वेरंमज्झण केणइ'' सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ वैर नहीं है। मानवीय एकता, शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व, मैत्री, शोषणविहीन सामाजिकता, नैतिक मूल्यों की स्थापना, अहिंसक जीवन, आत्मा की उपासना शैली का समर्थन आदि तत्त्व इस पर्व के मुख्य आधार हैं। ये तत्त्व जन–जन के जीवन का अंग बन सके, इस दृष्टि से इस महापर्व को जन–जन का पर्व बनाने के प्रयासों की अपेक्षा है। पर्युषण पर्व आत्म उन्नति, अहिंसा, शांति और मैत्री का पर्व है। अहिंसा और मैत्री के द्वारा ही शांति मिल सकती है। आज जो हिंसा, युद्ध, आतंक, आपसी–द्वेष, नक्सलवाद एवं भ्रष्टाचार जैसी ज्वलंत समस्याएं न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए चिंता का बड़ा कारण बनी हुई है और सभी कोई इन समस्याओं का समाध ान चाहते हैं। उन लोगों के लिए मैत्री पर्व एक प्रेरणा है, पाथेय है, मार्गदर्शन है और अहिंसक–निरोगी–शांतिमय जीवन शैली का प्रयोग है। आज भौतिकता एवं स्वार्थपूर्ण जीवन की चकाचौंध ा में, भागती जिंदगी की अंधी दौड़ में इस पर्व की प्रासंगिकता बनाये रखना ज्यादा जरूरी है। इसके लिए जैन समाज संवेदनशील बने विशेषतः युवा पीढ़ी मैत्री पर्व की मूल्यवत्ता से परिचित हो और वे आत्मचेतना को जगाने वाले इन दुर्लभ क्षणों से स्वयं लाभान्वित हो और जन–जन के सम्मुख मैत्री का एक आदर्श प्रस्तुत करे। तथागत बुद्ध ने कहा–क्षमा ही परमशक्ति है। क्षमा ही परम तप है। क्षमा ध ार्म का मूल है। क्षमा के समकक्ष दूसरा कोई भी तत्व हितकर नहीं है। क्योंकि प्रेम, करुणा और मैत्री के फूल सहिष्णुता और क्षमा की ध ारती पर ही खिलते हैं। 'सबके साथ मैत्री करो' यह कथन बहुत महत्त्वपूर्ण है किंतु हम वर्तमान संबंध ाों को बहुत सीमित बना लेते हैं। दर्द सबका एक जैसा होता है, पर हम चेहरों को देखकर अपना–अपना अन्दाज लगाते हैं। यह स्वार्थपरक व्याख्या हमें प्रेम से जोड़ सकती है मगर करुणा से नहीं। प्रेम में स्वार्थ है, राग–द्वेष के संस्कार है, जबकि करुणा परमार्थ का पर्याय बनती है। कहा जाता है–'वसुधैव कुटुम्बकम्' वसुधा कुटुम्ब है, परिवार है। 'मित्ती में सव्व भूएसु वेरं मज्झ न केणई'–यह सार्वभौम अहिंसा एवं सौहार्द का ऐसा संकल्प है जहां वैर की परम्परा का अंत होता है। मित्रता का भाव हमारे आत्म–विकास का सुरक्षा कवच है। आचार्य श्री तुलसी ने इसके लिए सात सूत्रों का निर्देश किया। मित्रता के लिए चाहिए– विश्वास, स्वार्थ–त्याग, अनासक्ति, सहिष्णुता, क्षमा, अभय, समन्वय। यह सप्तपदी साधना जीवन की सार्थकता एवं सफलता की पृष्ठभूमि है। विकास का दिशा–सूचक यंत्र है।

हत्यारोपी को आजीवन कारावास ,भाड़े के विवाद में राड से की हत्या

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अपर सत्र न्यायाधीश एफटीसी द्वितीय अपर्णा देव की अदालत ने नेवढ़िया थाना क्षेत्र में ऑटो रिक्शा के भाड़े के विवाद को लेकर लोहे के राड से मारकर हत्या करने वाले आरोपी को मंगलवार को दोषसिद्ध पाते हुए आजीवन कारावास एवं 20 हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया। अभियोजन कथानक के अनुसार वादी मुकदमा सुरेंद्र नाथ ने नेवढ़िया थाने में 2 दिसंबर 2017 को अभियोग पंजीकृत करवाया कि उसके रिश्तेदार श्रवण पटेल ने मोबाइल पर फोन करके सूचना दिया कि उसके भाई महेंद्र पटेल (38) का ऑटो रिक्शा व उसका शव कादीपुर दरगाह के पास नहर में मिला है। गांव वालों के साथ घटनास्थल पर पहुंचने पर वादी ने देखा कि उसके भाई का शव नहर में पड़ा था। महेंद्र पटेल एक दिन पहले भाड़ा ढोने के लिए निकला था। आशंका है कि भाड़े के लेनदेन के विवाद में कोई व्यक्ति उसकी हत्या करके उसका शव सूखी नहर में फेंक दिया है। विवेचना में नेवढ़िया थाना क्षेत्र के कसियाँव गांव निवासी अनिल गौड़ उर्फ सोनू तोमर पुत्र हरिशंकर का नाम प्रकाश में आया। घटनास्थल पर आरोपी का चप्पल बरामद हुआ तथा उसके घर में एक साल बरामद हुई जिसपर खून के धब्बे लगे थे। अनिल गौड़ ने भाड़े के विवाद में महेंद्र पटेल के सिर पर लोहे की राड से मार कर हत्या कर दिया था। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता वीरेंद्र प्रताप मौर्य व सतीश कुमार रघुवंशी के द्वारा परीक्षित कराए गए गवाहों के बयान एवं पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के परिशीलन के पश्चात अदालत ने अनिल गौड़ उर्फ सोनू तोमर को हत्या के आरोप में दोषसिद्ध पाते हुए भादंवि की धारा 302 के अंतर्गत आजीवन कारावास एवं 20 हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड अदा न करने की स्थिति में एक वर्ष की अतिरिक्त कैद होगी।

मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया

अयोध्या। मंगलवार को जिला मानसिक स्वास्थ्य इकाई द्वारा निशुल्क मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुनवा पर किया गया। जो सीएमओ डॉ संजय जैन व पर डा०दीपक पाण्डेय उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी/नोडल अधिकारी एन०सी०डी० के निर्देशन में आयोजित किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम का शुभारंभ शीतला प्रसाद चेयरमैन नगर पंचायत सुनवा ने किया।जिला चिकित्सालय अयोध्या से आये मनोरोग विशेषज्ञ डॉ शिशिर वर्मा ने नर्स केस रजिस्टर सहायक ,वार्ड सहायक मौजूद रहे। मानसिक शिविर में 85 रोगियों का स्क्रीनिंग किया गया। जिसमें से 40 रोगी विभिन्न मानसिक रोग से ग्रसित पाए गए।जिसमें से 20 रोगियों को उपचार के बाद औषधि वितरित की गई।वहीं 20 अन्य को काउंसलिंग के माध्यम से उपचार किया गया।राजकीय बालिका इंटर कॉलेज –सुनवा के विद्यार्थियों व शिक्षकों को मानसिक समस्याओं के बारे में जागरूक कर आत्महत्या के कारणो एवं बचने के उपाय बताए गए।शिविर में डॉ सतीश चंद्र अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुनवा, डॉ पीके गुप्ता अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मवई,के के अलावा चिकित्सा अधिकारी व पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित रहे।

परिस्थितियां चाहे जैसी भी, कभी भी न हो निराश - डा. विनोद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विश्वआत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय एवं व्यावहारिकमनोविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं शिक्षकों के लिए आत्महत्या रोकथाम पर जन जागरूकताकार्यक्रम एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया.विद्यार्थियों द्वारा श्आत्महत्यारू कौनजिम्मेदारश पर एक लघु नाटक का मंचन किया गया. नाटक के माध्यम से आत्महत्या न करने कासंदेश दिया गया.कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परीक्षानियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा कि संघर्षऔर आत्मविश्वास का जीवन में बहुत महत्व है. परिस्थितियां चाहे जैसी भी हो कभी भी निराशनहीं होना चाहिए. संकायाध्यक्ष प्रो. मनोजमिश्र ने कहा कि हर इंसान का जन्म किसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए हुआ है और इसउद्देश्य से आगे बढ़ते रहना चाहिए।मुख्य वक्ता के रूपमें उमानाथ सिंह सिंह मेडिकल कॉलेज केमनोचिकित्सा विभाग के डॉ. विनोद वर्मा ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा इसवर्ष श्चेंजिंग दनॉरेटिव्स ऑन सुसाइड और स्टार्ट कन्वर्सेशनश विषय दिया गया है. विश्व में प्रतिवर्ष 7 लाख से अधिक लोग आत्महत्या करते है, वहीं भारत मेंएक लाख सत्तर हजार लोग प्रतिवर्ष आत्महत्या करते हैं. आत्महत्या करने वालेज्यादातर लोग 30 साल से कम उम्र के होते हैं, जिनमें मुख्य रूप से पदार्थ के दुरुपयोग, तनाव,असमय किसी की मृत्यु हो जाना, ब्रेकअप आदिप्रमुख कारण है. उन्होंने बताया कि आत्महत्याको रोकने के संबंध में

विभिन्न उपायों जैसे जीवन शैली में परिवर्तन, स्वस्थ आहार, दिन प्रतिदिन के जीवन में योग एकंध्यान को सम्मिलित करना लाभकारी हो सकता है। व्यावहारिक मनोविज्ञान विभागके अध्यक्ष प्रोफेसर अजय प्रताप सिंह ने कहा कि आत्महत्या करने के पीछे हमारेआसपास का वातावरण जिम्मेदार होता है और इस वातावरण में अनुकूल परिवर्तन करके हमआत्महत्या जैसे जघन्य कृत्य को रोक सकतेहै ।अधिष्ठाता छात्रकल्याण प्रो. अजय द्विवेदी ने कहा कि आज हम एक परिवार में रहते हुए भी सोशल मीडियाके कारण दूर रहते है, एक दूसरे से बात नहीं करते औरन ही एक दूसरे को समय दे पा रहे है. अगर ऐसा ही चलता रहा तो, वह दिन दूर नही कि हर परिवार आत्महत्या जैसे कृत्य से ग्रसित होगा। संचालन रवनीत कौर, धन्यवाद् ज्ञापन डॉ. मनोज कुमारपाण्डेय ने किया. इस अवसर पर प्रो. विक्रमदेव शर्मा, प्रो प्रमोद यादव, डॉ. अनु त्यागी, डॉ जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ. सुशील कुमार, डॉ चन्दन सिंह, डॉ अलोक गुप्ता, डॉ सुधीर उपाध्यायएवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

यूपीसिडको के नवनियुक्त अध्यक्ष वाई०पी० सिंह ने यूपी सिडको को एक महारत्न कारपोरेशन बनाने तथा यूपीसिडको के माध्यम से उच्च गुणवत्ता के कार्यों को कराते हुए आगे ले जाने का संकल्प लिया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। यूपी सिडको के सभाकक्ष में पत्रकार वार्ता सम्पन्न हुयी, जिसमें यूपीसिडको के नवनियुक्त अध्यक्ष वाई०पी० सिंह जी ने पत्रकार वार्ता को सम्बोधित किया। अध्यक्ष

जी ने पत्रकार वार्ता में कहा कि मैं बहुत आभारी हूँ भारतीय जनता पार्टी के केन्द्रीय नेतृत्व, प्रदेश नेतृत्व तथा उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ का, जिन्होंने मुझे यूपीसिडको का चेयरमैन बनाया। मैं केन्द्रीय नेतृत्व, प्रदेश नेतृत्व तथा मा० मुख्यमंत्री जी के भरोसे पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूगाँ। अध्यक्ष जी ने प्रेस वार्ता में यूपी सिडको को एक महारत्न कारपोरेशन बनाने तथा यूपीसिडको के माध्यम से उच्च गुणवत्ता के कार्यों को कराते हुए आगे ले जाने का संकल्प लिया है। कारपोरेशन के कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय से पूर्ण करने का हम सब लोग मिलकर प्रयास करेगें। किसी भी संस्था को आगे बढ़ाने के लिए उस संस्थान के क्रियान्वयन और मानव संसाधन की टीम के साथ कार्य किया जाना होगा। संस्था को आगे ले जाने के लिए उसके चार स्तम्भ होते हैं। संस्थान द्वारा अनेक महत्वपूर्ण कार्यों में मोटिवेशन डालकर कारपोरेशन को शिखर पर पहुँचाने का कार्य करते हैं। उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा पूरे प्रदेश में इन्फ्रास्ट्रक्चर का बुनियादी ढाँचा, वह भी पूर्ण गुणवत्ता के साथ चाहें वह सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा व्यवस्था हो, आज प्रदेश में 18–18 घंटे बिजली तथा गाँवों में सड़क, पानी इत्यादि की समुचित व्यवस्था की गयी है, जिससे प्रदेश के लोग लाभान्वित हो रहे हैं। इन सभी क्षेत्रों के कार्यों को मा० मुख्यमंत्री जी ने महात्वकांक्षी योजना के रूप में लिया है, जिससे उ०प्र० के लोगों के साथ अन्य प्रदेशों के लोग भी भूरी–भूरी प्रसंशा करते है। लोगों के जीवन में बदलाव इज आफ डूईन्ग की पहचान बन चुकी है। उत्तर प्रदेश एक बीमारू राज्य होता था लेकिन पिछले 07 साल के शासन के बाद आज उत्तर प्रदेश आर्थिक आधार पर महाराष्ट्र के बाद देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला राज्य बन गया है। आज उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरे देश का रोड माडल बन चुकी है। अराजक तत्वों से निपटने की मा० मुख्यमंत्री जी की कला पूरे देश के मुख्यमंत्रियों द्वारा अपनायी जा रही है। वह दिन दूर नहीं जब उत्तर प्रदेश देश में सर्वोत्तम प्रदेश कहलाएगा। मैं इस प्रेस वार्ता के माध्यम से एक बार पुनः शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करता हूँ। आज की पत्रकार वार्ता में यूपीसिडको के प्रबन्ध निदेशक श्री प्रकाश बिन्दु, आई०ए०एस० भी उपस्थिति थे, उनके द्वारा बताया गया कि विगत 03 वर्षो में निगम ने वित्तीय वर्ष 2021–2022 में निगम का टर्न ओवर रू0 737.00 करोड़, वित्तीय वर्ष 2022–2023 में रू0 849.00 करोड़ एवं वित्तीय वर्ष 2023–2024 में रू0 1157.00 करोड़ का लक्ष्य प्राप्त किया गया और निगम लगातार लाभ की स्थिति में है।

पुलिस एनकाउंटर में दो बदमाशों को लगी गोली

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा द्वारा लगातार जिले में अपराधियों पर लगाम लगाने की कवायत की जा रही है।इसी क्रम में सोमवार की रात जिले की तीन थानों की पुलिस फोर्स ने बदमाशों को मुठभेड़ के दरम्यान गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार बदमाशों को रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने फोर्स पर फायरिंग शुरू कर दी , पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश गोली लगने से बुरी तरह घायल हो गये। आरोपियों के कब्जे से तमंचा कारतूस व मोटर साइकिल बरामद हुआ है। इस संबंध में मंगलवार को जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार शाहगंज अजीत सिंह चौहान ने बताया कि खुटहन, सरपतहां व शाहगंज की पुलिस टीम द्वारा मुठभेड़ के दौरान दो पशु तस्करों को गिरफ्तार किया गया। बीती रात्रि में लगभग 1.05 बजे थाना सरपतहा की तरफ से एक मोटरसाइकिल एचएफ डिलक्स काफी तेजी से जा रही थी जिसे रोका गया तो मोटर साइकिल सवार पुलिस पार्टी पर फायर कर भागने लगे। जिसकी सूचना कन्ट्रोल रुम को दी गई। इस सूचना पर थानाध्

यक्ष खुटहन, शाहगंज व सरपतहा की पुलिस टीम द्वारा बाइक सवार को रोकने का प्रयास करने लगी। बाइक सवारों द्वारा पुलिस टीम की गाड़ी को हिट करते हुए गाड़ी आगे भगाने लगे और गिर गये। बदमाशों द्वारा पुलिस टीम पर फायर किया गया। ग्राम सेवईनाला पुलिया के पास के पास आत्मरक्षार्थ पुलिस पार्टी द्वारा की गयी फायरिंग से इरफान उर्फ किन्नी व आजाद घायल हुए, इनके पास दो देशी तमन्चा .315 बोर, मय दो खोखा कारतूस व दो मिस करातूस 315 बोर तथा एक मोटर साईकिल एचएफ डिलक्स बरामद हुई। घायल बदमाशों को तत्काल पुलिस अभिरक्षा में ईलाज हेतु अस्पताल भेजा। सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही

बच्चा चोर समझकर ग्रामीणों ने दो युवकों को दौड़ाया एक चढ़ा ओवर ब्रिज पर कूद कर दिया जान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के शिवापार बाई पास के पास बच्चा चोर समझकर दो युवकों को ग्रामीणों ने दौड़ाया तो वाराणसी लखनऊ हावे पर नेवादा गांव के पास बने ओवरब्रिज पर चढ़ गया हैं।जबकि एक को पकड़कर ग्रामीणों ने पुलिस के हवाले कर दिया। युवक के ब्रिज पर चढ़ने के सूचना पर पुलिस और फायरब्रिगेड की मौके पर पहुंचकर उसे उतारने का प्रयास कर रही थी लेकिन उसने आखिकार ब्रिज से कूद कर जान दे दी फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मंगलवार भोर में करीब तीन बजे दो लोग संदिग्ध रूप से घूमते

दिखाई पड़े ग्रामीण दोनों को बच्चा चोर समझकर दौड़ा लिए , जिसमे एक को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया दूसरा सड़क को पार करने के लिए बने ओवरब्रिज पर चढ़ गया, वह 9 घंटे से ऊपर बैठा हुआ था , पुलिस , फायर विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर उसे उतारने का प्रयास कर रही लेकिन वह उतरने को तैयार नही हुआ और आखिर कार उसने कूद कर जान दे दी। इस घटना में एक बार फिर पुलिस की लापरवाही सामने आई है।लगभग 10 घंटे तक ब्रिज पर चढ़ा युवक को पुलिस द्वारा बचाव के लिय कोई ठोस पहल नहीं कर पाई। मृतक अविनाश कुमार 31 बिहार प्रांत के समस्तीपुर का रहने वाला है। इस मामले में थानाध्यक्ष किशोर कुमार चौबे ने बताया की युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त था शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिय भेज दिया गया है।

शहर से लेकर तहसील व ब्लाक मुख्यालयों पर सरकारी भवनों के सामने अतिक्रमण ही अतिक्रमण

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। शहर से लेकर तहसील व ब्लाक मुख्यालयों पर सरकारी भवनों व मार्गों पर अतिक्रमण कारियों का ही कब्जा है।अतिक्रमण कारियों ने यहां तक कि कब्जा कर लिया है कि अतिक्रमण से सरकारी कार्यालय तक छिप गये है।जिसके चलते दूर दराज से उन कार्यालयों पर आने वाले लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।बताते चलें कि शहर के कई चौराहों,मार्गों व के अलावा बीकापुर, तारुन,कुमारगंज, इनायत नगर, रुदौली, हैदरगंज, सोहावल,जाना बाजार,सहित तमाम बाजारों मे स्थित सरकारी कार्यालय,अस्पताल,आंगनवाड़ी केंद्र के सामने निजी दुकानें लगाने से सरकारी भवन नहीं दिखाईद दे रहे है।अगर देखें तो बीकापुर में सीएचसी, तहसील के सामने, पुराने पीएचसीध्ड्रग वेयर हाउसध्आगनवाड़ी केंद्र व पशु अस्पताल, प्राइमरी स्कूल, तहसील बाउंड्री के सामने दुकानें लगाने व अन्य अतिक्रमण के चलते वहां पर स्थित सरकारी भवन दिखाई नही देता है। यहां के स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि यहां पर आसपास के दबंगो द्वारा दुकानें रखकर अन्य लोगो से पगड़ी लेकर 5 हजार से लेकर 10 हजार तक महीना ले रहे है,जबकि जमीन सरकारी और हाइवे की है,इसके बाद भी लोग लाखो रुपया सरकारी जमीन से सालो से कमा रहे है। अगर देखा जाए तो बीकापुर में सुबह सब्जी मंडी लगने के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती है,स्थानीय प्रशासन कई बार सालो पहले अतिक्रमण हटवाया गया था।लेकिन पुनः अतिक्रमण करके लोग किराया और पगड़ी वसूल रहे है।इसी तरह खाजुरहट,चौरे बाजार, कुमारगंज, सोहावल, रौनाही, रुदौली, मया, पूरा और कई जगहों पर भी सरकारी भूमियों पर अतिक्रमणकारी अवैध रुप से अतिक्रमण करके लोग मालामाल हो रहे है।जब कि जिला प्रशासन व नगर निगम द्वारा चलाया जा रहा अतिक्रमण के खिलाफ अभियान महज खानापूर्ति ही साबित हो रही है। जिला प्रशासन व नगर निगम द्वारा सीएम योगी के अयोध्या आगमन के पूर्व यानी 3 व 4 सितंबर को राम पथ पर चलाया गया अतिक्रमण के खिलाफ अभियान सिर्फ छलावा और दिखावा बनकर रह गया है।बता दे कि राम पथ के किनारे बने फुटपाथ पर दोनो और लगी दुकानों के कारण पैदल चलने वाले श्रद्धालुओं को भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ता है।जिसके चलते जिला प्रशासन व नगर निगम प्रशासन ने सीएम योगी के आगमन के पूर्व संयुक्त अभियान चलाकर अखबारों और सोशल मीडिया पर खूब वाहवाही बटोरी थी।लेकिन 4 दिन बाद एक बार फिर आईटीआई के सामने दर्जनों दुकानदारों ने फुटपाथ पर अवैध कब्जाकर अपना धंधा शुरू कर नगर निगम प्रशासन को खुली चुनौती दे डाली है।

'जीएसटी में पंजीयन न कराने वाली ग्राम पंचायतों पर होगी कार्यवाही प्रधानों के अधिकार होंगे सीज – व्यापार कर उपायुक्त'

सुलतानपुर। ग्राम पंचायतों को जीएसटी विभाग में पंजीकृत होने एवं टीडीएस से प्राप्त होने वाले राजस्व की सुरक्षा से लेकर उपायुक्त शैलेन्द्र त्रिपाठी ने बताया गया कि ग्राम पंचायत द्वारा कराये गये विकास कार्यों का भारी मात्रा में भुगतान किया जा रहा है। परन्तु जनपद की अधिकांश ग्राम पंचायतों के जीएसटी विभाग में पंजीकृत न होने के चलते जीएसटीआर–7 रिटर्न दाखिल नहीं किया जा रहा है। जिसके चलते आपूर्तिकर्ता फर्मों द्वारा कर चोरी किया जा रहा है। उपायुक्त द्वारा बताया गया कि ग्राम पंचायतों द्वारा राज्य कर विभाग स्तर से निरस्त फर्मों को भी भुगतान किया जा रहा है। जिससे उनके द्वारा किये गये भुगतान पर आपूर्तिकर्ताओं द्वारा जमा किये जाने वाले कर जमा नहीं होता और कर चोरी को बढ़ावा मिलता है। ऐसे में ग्राम पंचायते भुगतान करने से पूर्व जानकारी कर ले कि फर्म एक्टिव है या नहीं। इसके लिए विभागीय वेबसाइट से जानकारी हासिल करते हुए सत्यापन करे। उपायुक्त शैलेन्द्र त्रिपाठी द्वारा अवगत कराया गया कि बिना जीएसटी में पंजीयन के कार्य कराने वाली पंचायतों पर कार्यवाही होगी,तथा प्रधान के अधिकार भी सीज होंगे तथा प्रायः यह देखा जाता है कि ब्लॉक व ग्राम पंचायत द्वारा जो कार्य ६ 2.50 लाख व उससे अधिक का होता है,उसकी कार्ययोजना के अन्तर्गत सप्लाई व अन्तरण करने वाली फर्मों को जानबूझकर सुनियोजित तरीके से बहुत छोटी–छोटी धनराशि की एक ही तिथि में कई बार भुगतान किया जा रहा है। ताकि प्रतीत हो सके कि धनराशि में ६ 2.50 लाख से कम थी। जिससे राजस्व की क्षति होती है। उपायुक्त द्वारा अवगत कराया गया कि पंजीकृत व्यापारी द्वारा माह में किये गये बिक्री का विवरण एवं कर को मासिक कर विवरणी जीएसटीआर–3 बी एवं त्रैमासिक कर विवरणी जीएसटीआर–3 बी तथा समाधान योजना के अन्तर्गत त्रैमासिक सीएमपी–08 समायन्तर्गत दाखिल न करने पर जीएसटी अधिनियम की धारा–125 एवं धारा–127 के अन्तर्गत सीजीएसटी के अन्तर्गत ६ 25000.00 एवं एसजीएसटी के अन्तर्गत ६–25000 अर्थदण्ड आरोपित करने हेतु नोटिस जारी की जा रही है यदि व्यापारी द्वारा ससमय रिटर्न दाखिल नहीं किया जाता है तो उक्त व्यापारियों पर अर्थदण्ड आरोपित किया जायेगा।

एचआईवी/एड्सबी जागरूकता शिविर एवं फ्लैश मोब रैली का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी जौनपुर डॉक्टर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में जनवरी स्तर पर ष्इंटेंसिफाइड कैंपेनष् च्यार की बातष् थीम के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों के आयोजनों के क्रम में मंगलवार को जिला क्षय नियंत्रण केंद्र में एकष् फ्लैश मोबष् रैली एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जनपद स्तरीय फ्लैश मोब एवं विशाल रैली जिला क्षय नियंत्रण केंद्र जौनपुर से मुख्य चिकित्सा अधिकारी जौनपुर के कार्यालय से होते हुए सभी को जागरूक किया।इस अवसर पर फार्मेसी के बच्चों ने भीड़ के सामने ष फ्लैश मोब ष्का प्रदर्शन किया और एड्स के प्रति जागरूक किया रैली का शुभारंभ जिला क्षय रोग अधिकारी धजिला एड्स नियंत्रण अधिकारी डॉक्टर राकेश सिंह ने किया तथा लोगों को एड्स के प्रति जागरुक करते हुए इससे बचने की सलाह दी। सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित भी किया गया ।डॉ डीके सिंह ने एड्स के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर सीनियर समन्वयक टीबी डॉ सुशील अग्रहरी ने रैली का संचालन करते हुए लोगों को नारा लगवाया तथा चार की बात सबको हो ज्ञात एड्स का ज्ञान बचाएं जान। इस अवसर पर एड्स प्रभारी संयोजक विजयनाथ पटेल डीपीटीसी पीयूष गुप्ता सीनियर समन्वयक टीबी राजीव श्रीवास्तव धर्मेंद्र कुमार सुरेंद्र निषाद धर्मेंद्र कुमार विष्णु कांत गुप्ता श्री संजय मौर्य संदीप सरोज दिलीप मौर्य अभिषेक उपाध्याय डीआरपी अश्विनी पाठक समेत समस्त कर्मचारी अधिकारी एवं एड्स एचआईवी के समस्त संस्था सदस्य समेत सैकड़ो फार्मेसी के छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

नेत्रदान कर दूसरों को भी संसार देखने को दें मौका - डा. प्रवीण दीक्षित

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रवीण कुमार दीक्षित ने नेत्रदान के संबंध में बताया कि नेत्रदान श्रेष्ठ दान है। जिसके माध्यम से दूसरे मनुष्यों का अंधेरा दूर कर उन्हें रोशनी प्रदान करते हैं।इसलिए जिंदगी के साथ, और जिंदगी के बाद भी नेत्रदान कर दूसरों को भी संसार देखने का मौका दें।इससे ज्यादा पुण्यकारी कार्य और कुछ हो नहीं सकता।

उन्होंने बताया कि नेत्रदान मृत्यु के बाद होता है। मृत्यु के 6 घंटे के अंतर्गत नेत्रदान हो जाना चाहिए। चिकित्सक स्वयं नेत्रदाता के घर जाकर निःशुल्क नेत्र निकालेंगे। यदि किसी व्यक्ति के द्वारा जीवित अवस्था में नेत्रदान की घोषणा न की गई हो फिर भी रिश्तेदार मृत व्यक्ति का नेत्रदान कर सकते हैं। नेत्र दाता को

मृत्यु पूर्व एड्स, पीलिया, कर्करोग (ब्लड कैंसर) रेबीज, सेप्टीसीमिया, टीटेनस, हेपिटाइटिस तथा सर्पदंश जैसी बीमारी है तो उसके नेत्र, दान के लिए अयोग्य समझे जाते हैं।श्री दीक्षित ने कहा कि नेत्र ऑपरेशन पश्चात् तथा चश्मा पहनने वाले व्यक्ति भी नेत्रदान कर सकते हैं। नेत्रदान हेतु अपने नजदीक के शासकीय अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, जिला चिकित्सालय में संपर्क कर सकते हैं। कार्यक्रम में विशेष योगदान हेतु नेत्र परीक्षक प्रीती वर्मा उपस्थित रहीं। इस अवसर पर सी एच सी का समस्त स्टाफ एवं सभ्रांत जन मौजूद रहे।

उ0 प्र0 पंचायती राज विभाग के ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ का द्विवार्षिक चुनाव संपन्न

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। उ0 प्र0 पंचायती राज विभाग के ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के द्विवार्षिय मंडल अध्यक्ष चुनाव में पवन कुमार वाल्मीकि को मंडल अध्यक्ष निर्वाचित होने पर नगर महापालिका कर्मचारी यूनियन तथा नगर निगम कर्मचारी संघ द्वारा नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष पवन कुमार वाल्मीकि तथा संठगन के जिला अध्यक्ष राम किशन वाल्मीकि महामंत्री मयंक गौतम, जिला वरिष्ठ उपाध्ययक्ष राजू भारती का स्वागत किया। स्वागत के पश्चात पवन कुमार वाल्मीकि ने कहा कि मेरी प्राथमिकता सफाई कर्मचारियों के पदोन्नति तथा पुरानी पेंशन को वह बहाल कराना है जिसके लिए नगर निगम कर्मचारी संघ तथा नगर महापालिका कर्मचारी यूनियन के सहयोग की अपेक्षा करता हूँ। स्वागत में मुख्य रूप से आनन्द वर्मा , ओम प्रकाश उप्रेती , कार्यवाहक अध्यक्ष सुनील तिवारी, महामंत्री जगदीश अटल वाल्मीकि, उपाध्यक्ष रामकुमार बागी, ज्ञान बाबू, विजय बागड़ी , शत्रोहन वाल्मीकि, राकेश कोतवाल, नगर निगम एवं जल कल कर्मचारी संघ के महामंत्री, सुमित कुमार , चौ० राम औतार उपाध्यक्ष, रवि कुमार कोषाध्यक्ष ,श्याम लाल धानुक इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

ट्रेन को पलटाने की साजिश में एफ आई आर

कानपुर, संवाददाता। कानपुर–कासगंज रेल पथ के बर्राजपुर–उत्तरीपुरा में मध्य प्रयागराज से भिवानी जा रही कालिंदी एक्सप्रेस को पलटाने की साजिश में रेलपथ पर एलपीजी सिलिंडर व अन्य ज्वलनशील पदार्थ रखने के मामले में सोमवार सुबह करीब 11 बजे एटीएस के आईजी नीलाब्जा चौधरी ने अपनी विशेषज्ञों की टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। मौके पर मौजूद मिले एडीसीपी विजेंद्र द्विवेदी और सहायक पुलिस आयुक्त अजय त्रिवेदी से मामले के अन्य पहलुओं पर जांच के आदेश दिए। एटीएस के आईजी नीलाब्जा चौधरी ने बताया कि मौके पर रविवार रात एक गैस सिलिंडर सहित, एक कांच की बोतल जिसमें पेट्रोलियम भरा पाया गया है, पास ही मिले एक थैले में भी कई ज्वलनशील पदार्थ मिले हैं। फोरेंसिक टीम भी पूरे मामले की जांच कर रही है। कई पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। उधर सहायक पुलिस आयुक्त अजय कुमार ने बताया कि 12 से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। साथ ही सीसीटीवी कैमरों से भी जांच पड़ताल की जा रही है।

सहपाठियों ने छात्र से कुकर्म का वीडियो बनाया

कन्नौज, संवाददाता। डेढ़ महीने पहले स्कूल की छुट्टी के बाद सहपाठियों ने हाईस्कूल के छात्र को बाग में ले जाकर जबरदस्ती उससे कुकर्म किया और मोबाइल से वीडियो बना लिया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उससे वसूली करते रहे। रुपये न देने पर वीडियो वायरल कर दिया। पिता ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। नगर के एक निजी स्कूल में पढ़ने वाले हाईस्कूल के छात्र के साथ कक्षा में पढ़ने वाले चार दोस्तों ने 25 जुलाई को छुट्टी के बाद घर जाते समय अमरूद के बाग में जबरदस्ती पकड़ कर एक–एक कर कुकर्म किया। वीडियो बनाने के बाद उसे वायरल करने की धमकी देकर पीड़ित छात्र से करीब डेढ़ माह तक रुपये वसूलते रहे। आरोप है कि तीन दिन पहले सहपाठियों ने 50,000 रुपये की मांग की। असमर्थता जताने पर आरोपियों ने वीडियो इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करके वायरल कर दिया। वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। पीड़ित छात्र ने मामले की जानकारी परिजनों को दी। पिता ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। इस संबंध में थाना प्रभारी दिग्विजय सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है। मुकदमा दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

चुनाव में लगे कर्मचारियों को एक माह का मिलेगा अतिरिक्त वेतन

लखनऊ, संवाददाता। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने चुनाव में ड्यूटी करने वाले अधिकारियों को एक माह का अतिरिक्त वेतन/मानदेय देने का आदेश दिया है। विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन ने इस पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मांग की है कि चुनाव में लगे सभी कर्मचारियों को अतिरिक्त मानदेय दिया जाना चाहिए। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संतोष तिवारी ने कहा कि बीएलओ, सुपरवाइजर और पदविहित अधिकारी ऐसे हैं जो लगातार चुनाव के कार्य में लगे होते हैं। प्रदेश के लाखों शिक्षक, शिक्षामित्र चुनाव का लगभग 40 फीसदी कार्य करते हैं। इन्हें अतिरिक्त वेतन, मानदेय ना देकर केवल निर्वाचन कार्यालय के अधिकारियों को एक माह का वेतन देना न्यायोचित नहीं है। निर्वाचन में लगे सभी कर्मियों के साथ एक जैसा व्यवहार ही किया जाए। संयुक्त मोर्चा के प्रदेश सचिव दिलीप चौहान ने कहा कि प्रदेश के लाखों शिक्षामित्र साल भर बीएलओ का कार्य करते हैं। यह कार्य निर्वाचन का ही हिस्सा है। बहुत से शिक्षक–कर्मचारी भी निर्वाचन के कार्य में लगातार लगे रहते हैं। ऐसे में सिर्फ निर्वाचन कार्यालय व निर्वाचन विभाग के अधिकारियों को एक माह का अतिरिक्त वेतन, मानदेय देना कहीं से भी उचित नहीं है। चुनाव ड्यूटी में लगे सभी शिक्षक, शिक्षामित्र, कर्मचारियों को भी एक माह का अतिरिक्त वेतन दिया जाना चाहिए।

पत्नी से जान देने की बात कह कुछ देर बाद लगा लिया फंदा

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में तालकटोरा के मुनेश्वरपुरम निवासी डिलीवरी बॉय पवन वर्मा (32) ने घरेलू कलह की वजह से रविवार रात फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। कुछ देर पहले ही उसने पत्नी अंजली राठौर से फोन पर कहा था कि जान दे दूंगा। पवन की मां संतोष ने बताया कि चार दिन से बहू मायके में थी। रविवार देर रात 12रू30 बजे पवन काम से लौटा था। जब उन्होंने दरवाजा खोला था तब पवन फोन पर पत्नी से झगड़ रहा था। पवन पत्नी से बोले...आज जान ही दे दूंगा। फिर कमरे में जाकर दरवाजा बंद कर लिया था। मां के साथ पिता ओम नारायण और भाई अमन ने काफी प्रयास किया, लेकिन पवन ने दरवाजा नहीं खोला। पिता–पुत्र ने दरवाजा तोड़ा तो दुपट्टे के फंदे पर पवन लटक रहे थे। तत्काल उसको अस्पताल ले जाया गया। लेकिन, रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। पिता ओम केजीएमयू से लैब असिस्टेंट के पद से सेवानिवृत्त हैं। पिछले साल मार्च में करेंहटा की अंजली से पवन ने प्रेम विवाह किया था। परिजनों ने बताया कि कुछ दिन बाद ही दोनों में विवाद शुरू हो गया था।

कारखाने पर छापा मारकर एसडीएम ने कब्जे में ली एलईडी

बांदा, संवाददाता। शहर में बजाज कंपनी के नाम पर लोकल एलईडी आपूर्ति मामले में डीएम के निर्देश एसडीएम की अध्यक्षता में तीन सदस्यी कमेटी जांच कर रही है। एसडीएम ने ठेकेदार के कटरा स्थित कारखाने पर छापा मारकर कुछ एलईडी और दस्तावेज कब्जे में लिए हैं। नगर पालिका परिषद बांदा सहित कुछ नगर पंचायतों को तथाकथित ठेकेदार अर्से से लोकल एलईडी की आपूर्ति कर बजाज कंपनी के दाम पर भुगतान कर लाखों का चूना लगा रहा था। बताते है कि बजाज कंपनी के शुल्क से अधिक का भी भुगतान लिया गया है। समाजसेवी रामजी गुप्ता की शिकायत पर डीएम ने एसडीएम सदर की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय टीम गठित कर जांच के आदेश दिए थे। एसडीएम ने ठेकेदार के कारखाने में छापा मारकर कुछ एलईडी, दस्तावेजों को कब्जे में लिया है। उधर, एसडीएम ने नगर पालिका की बिजली से संबंधित पत्रावलियों को मंगा लिया है।

फंदे से लटका मिला आशा कार्यकर्ता का शव

बाराबंकी, संवाददाता। थाना क्षेत्र सुबेहा में एक आशा कार्यकर्ता का शव उन्हीं के घर में फंदे से लटका मिला। घटना के वक्त पति व बच्चे भी मौजूद थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस प्रथम दृष्टया आत्महत्या बता रही है। मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। सुबेहा क्षेत्र की ग्राम पंचायत कुड़वा के निवासी धर्मेंद्र कुमार की पत्नी गायत्री देवी (38) आशा के पद पर काम करतीं थीं। परिजनों ने पुलिस को बताया कि शनिवार की रात पति धर्मेंद्र घर के बाहर सो रहे थो। घर में दो बेटे पार्थकेत सिंह (15) व रुद्र प्रताप सिंह (12) गायत्री देवी के साथ सो रहे थे। देर रात पति ने अंदर जाकर देखा तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। खिड़की से झांकने पर पंखे के हुक से साड़ी से बने फंदे से गायत्री का शव लटक रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव नीचे उतारा।

चार युवकों पर छेड़छाड़ और पश्क्सो की धारा में रिपोर्ट दर्ज

उन्नाव, संवाददाता। स्कूल से घर जा रही छात्रा को युवक ने अपने दोस्तों के साथ रोककर छेड़छाड़ की। पीड़िता के पिता की तहरीर पर चार युवकों के खिलाफ छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट की धारा में रिपोर्ट दर्ज की गई है। दही थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी छात्रा शनिवार को स्कूल से घर जा रही थी। तभी रास्ते में उसे सोहरामऊ थानाक्षेत्र के जोगा सराय गांव निवासी देवांश रावत ने साथियों के साथ रोककर छेड़छाड़ की। छात्रा के शोर मचाने पर देवांश को लोगों ने पकड़ लिया, जबकि उसके साथी भाग निकले। दही थानाध्यक्ष संजीव कुशवाहा ने बताया कि युवक का छात्रा से प्रेम प्रसंग चल रहा था।

अस्पताल में एसटीएस ने संगिनी व उसके पति को पीटा

सीतापुर, संवाददाता। सीएचसी पर शनिवार को क्षय रोग के सर्वे की ट्रेनिंग के बाद एक आशा संगिनी व उसके पति को एसटीएस (सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर) क्षय रोग ने पीट दिया। आशा का कसूर सिर्फ इतना था कि सर्वे की किट पूरी न होने पर आपत्ति की थी। सोशल मीडिया पर मारपीट का वीडियो वायरल हो गया। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर दी है। 9 सितंबर से 20 सितंबर तक चलने वाले अभियान में क्षय रोगियों का चिह्नित किया जाएगा। शनिवार को सीएचसी पर संगिनी, वालेंटियर व आशाओं सहित 60 लोगों को प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण के बाद संगिनी रामरानी अपने पति के साथ एसटीएस समीर तिवारी से सर्वे से जुड़े सामान लेने गई लेकिन सर्वे के लिए आई पूरी किट न देने पर आपत्ति की। इससे आग बबूला एसटीएस समीर तिवारी ने अस्पताल में ही उसे व उसके पति को पीटना शुरू कर दिया। इस पूरे मामले का किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इसके बाद पीड़िता ने थाने पर तहरीर दी लेकिन कुछ ही देर बाद समझौता कर लिया। इंस्पेक्टर विजयेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़िता ने तहरीर देने के बाद समझौता कर लिया है। सीएचसी अधीक्षक डॉ. मनोज ने बताया कि उस समय वह अस्पताल में नहीं थे। उच्चाधिकारियों को मामले से अवगत करा दिया गया है।

अघोषित बिजली कटौती पर फूटा गुस्सा

बांदा, संवाददाता। बिजली कटौती के खिलाफ नगर पंचायत बिसंडा के लोगों का आखिर गुस्सा फूट पड़ा। मानस चौक पर सिंहपुर मार्ग में बैठकर ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। तीन घंटे जाम से वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सीओ के पहुंचने पर भी जब प्रदर्शनकारी नहीं हटे तो उन पर लाठियां बरसाई गईं। इसमें भाजपा नेता और जिला पंचायत सदस्य समेत करीब 12 लोग लहूलुहान हो गए। कस्बावासियों का आरोप है कि दो माह से बिजली व्यवस्था बेपटरी है। 12 घंटे बिजली कई किस्तों में दी जा रही है। इससे लोगों की दिनचर्या व उद्योग धंधे बुरी तरह चरमरा गए हैं। भाजपा नेता जिला पंचायत सदस्य कमलेश साहू, अपना दल (एस) पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष अरुण कुमार पटेल व भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व मंत्री विपिन सोनी की अगुवाई में सुबह साढ़े नौ बजे 200 से ज्यादा कस्बावासी सड़क पर उतरे। मानस चौक में सिंहपुर रोड पर बैठकर नारेबाजी शुरू कर दी। कहा कि बिजली की किल्लत से नगर सहित आसपास के कई गांवों के लोग बेहाल हैं। दो माह से रात–दिन बिजली काटी जा रही है। मानस चौक बिसंडा कस्बे का सबसे बड़ा मार्केट एरिया है, जहां सैकड़ों छोटी–बड़ी दुकानें हैं। दुकानों में बिजली विभाग ने स्मार्ट मीटर लगा दिए हैं। बमुश्किल 12 घंटे ही बिजली मिल पा रही है। इसमें भी सुबह ,शाम और रात को कई बार बिजली ट्रिप करती है। वोल्टेज इतना लो होता है कि इन्वर्टर तक नहीं चार्ज हो पा रहा। शाम का वक्त ग्राहकों का होता है। मगर बिजली की समस्या के कारण दुकानों में अंधेरा होता है। जिस वजह से ग्राहक लौट रहे हैं। शनिवार को भी 12 घंटे तक बिजली गुल रही। रविवार को भी रात्रि से दोपहर 12 बजे तक बिजली नहीं आई। कटौती से उन्हें काफी नुकसान हो रहा है।

तीन घंटे जाम से बिगड़े हालात

करीब तीन घंटे तक जाम रहा और विरोध प्रदर्शन चलता रहा। इस बीच थानाध्यक्ष श्यामबाबू शुक्ला की अगुवाई में बिसंडा थाने की पुलिस फोर्स डरा–धमकाकर आंदोलनकारियों को हटाने का प्रयास करती रही, पर वह टस से मस नहीं हुए। जाम से वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। हालात बिगड़ने पर बबेरू सीओ राजवीर सिंह पुलिस फोर्स के साथ पहुंचे और आंदोलनकारियों को हटाने का प्रयास किया, लेकिन वह आला अफसरों को मौके पर पुलिस की बात पर अडिग रहे। तीन घंटे बाद जाम से हालत बिगड़ने लगे तो पुलिस ने सख्ती शुरू कर दी। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पुलिस ने जाम हटाने के लिया लाठियां बरसाईं, जिसमें जिला पंचायत सदस्य कमलेश साहू, अपना दल (एस) पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष अरुण कुमार पटेल व भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व मंत्री विपिन सोनी, आशीष सिंह, रवि गुप्ता, अजय गुप्ता सहित एक दर्जन से अधिक लोग लहूलुहान हो गए। घायलों में जिला पंचायत सदस्य सहित तीन लोगों को जिला अस्पताल ले जाना पड़ा।

बिसंडा में प्रदर्शन के दौरान कोई लाठी चार्ज नहीं हुआ। प्रदर्शनकारियों को समझा बुझाकर शांत कर दिया गया है।

उनसे कहा गया है कि रविवार है। सोमवार को विभाग के अधिकारियों को बुलाकर आपसे वार्ता करवाई जाएगी।

दंपती समेत चार की बुखार से मौत

सीतापुर, संवाददाता। सकरन में बुखार से मौतों का सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा है। रविवार को दो गांवों में पति–पत्नी समेत चार लोगों की मौत हो गई। 100 से अधिक लोग बुखार से पीड़ित हैं। बुखार से पीड़ित मरीजों का इलाज झोलाछाप के यहां चल रहा है। मदनापुर मजरा कल्ली गांव निवासी गेंदा देवी (53) को शुक्रवार को बुखार आया था। इनका इलाज गांव के एक प्राइवेट डॉक्टर के यहां चल रहा था। शनिवार देर रात मौत हो गई। बीमार चल रहे उनके पति रामकुमार (55) की रविवार की सुबह मौत हो गई। ग्राम पंचायत दुगाना के मजरा कोरियनपुरवा निवासी राधार (55) की मौत रविवार सुबह हुई। इसी ग्राम पंचायत के मजरा दुगनिया निवासी विजय यादव (30) को कई दिन से बुखार आ रहा था। इलाज के बाद भी कोई फायदा नहीं हुआ। रविवार को इनकी मौत हो गई। जबकि इससे दो दिन पहले शुक्रवार को कस्बा सकरन निवासी प्रहलाद वर्मा (75), ग्राम पंचायत प्यारापुर के मजरा लालूपुरवा निवासी कल्लूराम यादव (55), रकबा मजरा अदवारी निवासी शहीद गुब्बारावाला (40), इसी गांव के निवासी बाबू यादव (55) की बुखार से मौत हो गई थी। गांवों में 100 से अधिक लोग बुखार से पीड़ित हैं।

नहीं है कोई डॉक्टर

सांडा सीएचसी के तहत पांच प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आते हैं लेकिन किसी भी केंद्र पर चिकित्सक की नियुक्ति नहीं है। इसकी वजह से मरीजों को इलाज के लिए झोलाछाप के पास जाना पड़ता है। अगर सरकारी अस्पताल में इलाज करवाना है तो वह करीब 20 किलोमीटर चलकर सीएचसी सांडा आएं तभी उनको इलाज मिल सकता है।

भेजी जा रही है टीमें

गांवों में बुखार फैलने की सूचना मिलने पर संबंधित गांवों में टीम भेजकर दवाइयों का वितरण करवाया जा रहा है।

यूपी डीजीपी बोले, जाति देख कर एनकाउंटर नहीं करती पुलिस

लखनऊ, संवाददाता। यूपी डीजीपी प्रशांत कुमार ने पुलिस पर लग रहे आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि यूपी पुलिस जाति देखकर एनकाउंटर नहीं करती है। इस तरह के सभी आरोप निराधार हैं। पुलिस पूरी निष्पक्षता के साथ कार्रवाई करती है। मैं इस तरह के सभी आरोपों का खंडन करता हूं। बता दें कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेश पुलिस पर जाति देखकर कार्रवाई करने का आरोप लगाया था जिसका डीजीपी ने खंडन किया है। वहीं, कानपुर में ट्रेन पलटाने की साजिश पर भी उन्होंने बयान दिया। उन्होंने कहा कि सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके का मुआयना किया है। हम चीजों को गंभीरता से ले रहे हैं। सभी पहलुओं को देखेंगे। बिना पूरी जांच पड़ताल के इस पर कुछ भी कहना ठीक नहीं है। सुल्तानपुर में डेढ़ करोड़ रुपये की हुई डकैती के मामले में पुलिस ने मुठभेड़ में इनामी आरोपी मंगेश यादव को मुठभेड़ में मार गिराया। इस पर अखिलेश यादव ने बयान दिया कि मंगेश की हत्या उसकी जाति देखकर की गई है। वहीं, मंगेश के पिता ने भी आरोप लगाया कि पुलिस ने मंगेश को घर से उठाया और गोली मारकर हत्या कर दी। मामले का दूसरा मास्टर माइंड विपिन सिंह पुलिस की गिरफ्त में है। उसने पहले दर्ज किए गए एक मामले में कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया था। पुलिस की टीम लगातार उससे पूछताछ कर रही हैं। रविवार को भी उससे रायबरेली जिला कारागार में पूछताछ की थी। डकैती कांड के अन्य आरोपियों व लूट के माल की तलाश की जा रही है।

स्कूटी सवार दो दोस्तों को कुचला

कानपुर, संवाददाता। पिछले महीने साकेतनगर में कार की टक्कर से हुई महिला की मौत के बाद चकेरी के श्यामनगर में भी रविवार को तेज रफ्तार कार का कहर देखने को मिला। एक युवक ने उल्टी दिशा में कार दौड़ाकर स्कूटी सवार दो दोस्तों को कुचल दिया। हादसे में एक की मौत हो गई, जबकि दूसरे को गंभीर हालत में आईसीयू में भर्ती कराया गया है। दोनों दोस्त बजरंगदल के सदस्य बताए जा रहे हैं। दो भाइयों की मदद से पुलिस ने कार सवार युवक और उसके साथी को पकड़ लिया है। चालक के पास लाइसेंस नहीं था। कार भी किसी दूसरे परिवार के नाम है। चकेरी शिवकटरा निवासी प्राइवेट कर्मी विपिन कुमार का बड़ा बेटा अभय शुक्ला (19) शीशे और दरवाजे का काम करता था। वह तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। शिवकटरा स्थित घर का निर्माण चल रहा है। इस वजह से पूरा परिवार गांधीग्राम गेट के पास किराये पर रह रहा है। रविवार दोपहर करीब दो–ढाई बजे अभय अपने दोस्त अनिकेत (22) उर्फ अन्नू के साथ काम के सिलसिले से श्यामनगर चौराहे से मंगला विहार की ओर जा रहा था। तभी सामने से उल्टी दिशा से आ रही कार ने स्कूटी में टक्कर मारने के साथ ही दोनों को कुचल दिया। सिर पर गंभीर चोट आने से अभय की हैलट

ले जाते समय एंबुलेंस में मौत हो गई। अनिकेत की भी हालत गंभीर बताई जा रही है। मोहल्ले में रहने वाले अशोक का बेटा अनिकेत दोस्त अभय के साथ ही काम करता था। अनिकेत के बड़े भाई अभिषेक ने बताया कि वे लोग तीन भाई हैं। अनिकेत सबसे छोटा है। उसके भी सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं हैं। मामले में श्यामनगर चौकी प्रभारी अनुज कुमार पटेल ने बताया कि कार चला रहा मंगला विहार निवासी रजा की उम्र 18–19 साल के करीब है। पिता मतीन की मौत हो चुकी है। वहीं दूसरा कार सवार मोहल्ले के ही असलम का बेटा आशिफ है। दोनों के पास लाइसेंस नहीं मिला है और न ही गाड़ी के कागजात। कार अपने किसी भाई की बता रहा है। पोर्टल पर चेक करने पर पता चला कि कार बर्रा निवासी पूर्णमासी पुत्र सुंदर के नाम पंजीकृत है। चकेरी इंस्पेक्टर अशोक कुमार दुबे ने बताया कि दोनों कार सवारों को हिरासत में लिया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। पीड़ितों की ओर से तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। स्कूटी सवार दोस्तों का कुचलने के बाद कार सवार युवक मौके से भागने लगे। यह देख दो भाइयों गोलू और अजय ने पीछा करना शुरू कर दिया। भागने के चक्कर में आरोपी युवकों ने एक दर्जन वाहनों में टक्कर मारी। एक सैंट्रो समेत गोलू की भी कार में टक्कर मार दी।

पीछा करते हुए दो भाई आरोपियों के मोहल्ले पहुंचे तो लोगों ने घेरा

टक्कर मारने के बाद कार सवार श्यामनगर चौराहे की ओर भागने लगे। यह देख गंगानगर निवासी गोलू और उसके भाई अजय ने अपनी कार से पीछा करना शुरू कर दिया। इस पर आरोपी कई वाहनों में टक्कर मारते हुए श्यामनगर चौराहा पार करते हुए परिणय गेस्ट हाउस पहुंचे। इसके बाद गलियों से होते हुए बाईपास पहुंच गए। इसके बाद देहली सुजानपुर की ओर जाते हुए मंगला विहार फर्स्ट गदियाना पहुंच गए। रास्ता बंद होने पर दोनों कार से उतरकर पैदल भागने लगे। पीछा कर रहे गोलू और अजय ने भी कार खड़ी कर पैदल पीछा कर पकड़ लिया। यह देख मोहल्ले के 100–150 लोगों ने उन्हें घेर लिया। कुछ लोगों ने कहा कि कार की टक्कर से कोई मर गया तो क्या हुआ। जो हुआ पुलिस देखेगी, तुम क्यों यहां आए हो। इस बीच वहां पहुंची पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेने के बाद भाइयों को भी वहां से निकाला। गोलू ने बताया कि उन्होंने रास्ते से ही 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दे दी थी।

दुष्कर्म पीड़िता से मिले कृषि मंत्री, हर कदम पर मदद का भरोसा

अयोध्या, संवाददाता। खंडासा थाना क्षेत्र की दुष्कर्म पीड़िता और उसके परिवार के सदस्यों से रविवार की दोपहर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने मुलाकात की। मंत्री ने पीड़िता के परिवार को आश्वस्त किया कि प्रदेश की योगी सरकार हर कदम पर उनके साथ है। आरोपियों को ऐसा दंड मिलेगा कि उनकी आने वाली पीढिघ्यां याद रखेंगी। पीड़ित परिवार ने मंत्री को विभिन्न मांगों को लेकर एक मांग पत्र भी सौंपा। परिवार से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से बातचीत करते हुए जिले के प्रभारी मंत्री ने कहा कि दलित समाज की अवयस्क बिटिया के साथ दुष्कर्म की वारदात अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार सख्ती से कार्रवाई कर रही है। मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी की गई है। दूसरे आरोपी को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। बाकी जो लोग भी धमकी देने या घटना में शामिल हैं, उन पर भी प्रभावी कार्रवाई होगी। शाही ने कहा कि योगी सरकार इस तरह की घटनाओं पर जीरो टॉलरेंस के आधार पर कार्रवाई करती है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि ऐसा करने वालों को जमींदोज कर दिया जाएगा। आर्थिक सहायता देने पर कहा कि जो सरकार की परिधि में होगा किया जाएगा। सपा सांसद अवधेश प्रसाद के इस बयान कि मैं आया हूं, अब धमकियां नहीं मिलेगी पर कहा कि यह इस बात का संकेत है कि उनके शिष्यों का ही घटना में हाथ है। धमकी देने वालों को भी वे संरक्षण दे रहे हैं। इस नाते ही वह रात के अंधेरे में यहां आए और कहा कि आगे अब आपको धमकियां नहीं मिलेंगी। इसके पहले अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्त ने भी पीड़ित परिवार से मुलाकात कर सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया। पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा ने कहा कि पीड़िता को जल्द ही प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलवाया जाएगा। प्रभारी मंत्री के साथ रुदौली विधायक रामचंद्र यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश पांडेय, जिला उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार पांडे, पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा, जिला महामंत्री राधेश्याम त्यागी, सियाराम रावत व बब्बन शुक्ल मौजूद रहे।

सरकार से पीड़ित परिवार की प्रमुख मांग

पीड़ित दलित परिवार ने प्रभारी मंत्री से मांग पत्र के माध्यम से सरकार की ओर से आवासीय व कृषि योग्य भूमि का पट्टा दिए जाने की मांग की है। आर्थिक सहायता, गांव में सड़क व बिजली की व्यवस्था किए जाने की अपेक्षा की है। साथ ही दोषियों पर सख्त कार्रवाई किए जाने का अनुरोध किया है। इस मांगपत्र पर मंत्री ने परिवार को कार्रवाई के लिए आश्वस्त किया है।

अयोध्या में 20 फीसदी कम हुई श्रद्धालुओं की संख्या

अयोध्या, संवाददाता। रामनगरी में पिछले दो–तीन माह से पर्यटन का जो ट्रेंड देखने को मिल रहा है, वह संतोषजनक नहीं है। अयोध्या के अर्थशास्त्री का दावा है कि अयोध्याधाम में श्रद्धालुओं की संख्या में करीब 20 फीसदी की गिरावट आई है। पर्यटन चल रहा है, लेकिन इसकी गति अप्रैल के बाद से धीमी हो गई है। इसके चलते अयोध्याधाम के सकल घरेलू उत्पाद में भी डेढ़ फीसदी की गिरावट आई है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड इकोनॉमिक एसोसिएशन के महासचिव और अवध विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्री प्रोघ विनोद श्रीवास्तव अपने सर्वे के आधार पर दावा करते हैं कि पिछले कुछ महीनों से अयोध्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए तो आ रहे हैं, लेकिन खर्च बहुत कम कर रहे हैं। जो श्रद्धालु आ रहे हैं उनमें से 80 फीसदी पारंपरिक श्रद्धालु हैं, जो बराबर अयोध्या आते रहते हैं। इस समय अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 50 से 80 हजार के बीच है। इसमें अप्रैल माह के बाद से ही गिरावट दर्ज की जाने लगी। प्राण प्रतिष्ठा के बाद से अप्रैल तक अयोध्या में रोजाना एक से डेढ़ लाख तक श्रद्धालु आते थे, लेकिन अब श्रद्धालुओं की संख्या में 20 फीसदी की कमी आई है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।